RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर सोमवार ●22 जनवरी , 2024 वर्षः-11 अंक-264 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

जहां बनाया गया था रामसेतु, पीएम ने वहीं की पूजा

● राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा से एक दिन पहले वहां पहुंचे पीएम मोदी

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को धनुषकोडी में श्री कोठंडारामस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह अरिचल मुनाई भी गए। कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था। कोठंडाराम का अर्थ है धनुषधारी राम। ऐसा कहा जाता है कि धनुषकोडी ही वो जगह है, जहां भगवान राम ने रावण को हराने की शपथ ली थी। यहीं की पवित्र मिट्टी से वह लंका के लिए आगे बढ़े थे। यह भारत के लचीलेपन और चुनौती

आने पर विजय की क्षमता का प्रतीक है। पीएम मोदी ने शनिवार को श्रीरंगम और रामेश्वरम में श्री रंगनाथस्वामी और अरुल्मिगु रामनाथस्वामी मंदिरों का दौरा किया था। उन्होंने अग्नि तीर्थ तट पर स्नान करने के बाद यहां भगवान रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की। रुद्राक्ष-माला पहने नजर आए मोदी ने तमिलनाडु के प्राचीन शिव मंदिर रामनाथस्वामी में पूजा की। पुजारियों ने मोदी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। मोदी ने मंदिर में हुए भजनों में भी हिस्सा लिया। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम द्वीप में स्थित शिव मंदिर का संबंध रामायण से भी जुड़ा है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान राम ने यहां शिवलिंग स्थापित किया था। भगवान राम और सीता देवी ने यहां पूजा की थी। पीएम मोदी की ओर से मंदिरों का दौरा उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले हो रहा है।

उज्जैन में मेडिसिटी की स्थापना होगीः मुख्यमंत्री

बच्चों की ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में जल्द ही मेडिसिटी की स्थापना की जाएगी। इसके लिए सरकार द्वारा प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मेडिसिटी परिसर में चिकित्सा की तमाम सुविधाओं के साथ मेडिकल कॉलेज भी होगा। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए जिला चिकित्सालय परिसर और आसपास के क्षेत्र का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कालिदास अकादमी

में फाईन आर्ट में शहर के टेलेन्ट को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ने के उद्देश्य से 'अक्षरविश्व' द्वारा आयोजित 'रंगसंग ड्राईंग एण्ड पेंटिंग कॉम्पिटीशन' के 17 वें सेशन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिलों का प्रमुखता से योजना बनाकर विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है और इसमें योगदान के लिए मध्य प्रदेश भी पीछे नहीं रहने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कल ही उन्होंने सागर में नए विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है।

जिन्होंने आजादी दिलाई,उन अमर शहीदों का पुण्य स्मरण करते रहें: सीएम

अमर शहीद हेमू कालानी ने कम उम्र में बलिदान देकर आजादी की राह दिखाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम शहीदों का स्मरण करेंगे, तभी हमें आजादी की कीमत पता चलेगी। हजारों-लाखों के बलिदान से यह बेशकीमती आजादी मिली है। इसलिए जिन्होंने आजादी दिलाई है, हम उन अमर शहीदों का

पुण्य स्मरण करते रहें। आजादी की लड़ाई में बलिदान होने वाले अमर शहीदों का स्मरण कराते रहें, इससे हमारी युवा पीढ़ी को भी एक नई दिशा मिलेगी। हेमू कालानी ने मात्र 19 साल की उम्र में आजादी के लिये हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुती दी। मुख्यमंत्री आज उज्जैन में अमर शहीद हेमू कालानी के बलिदान दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

सदियों का इंतजार खत्म

आज भव्य प्राण प्रतिष्ठा

भगवान राम के स्वागत के लिए स्वर्ग सी सजी अयोध्या, भारी उत्साह

सुबह 10 बजे से गूंजेगी मंगलध्वनि, 84 सेकंड का है यह शुभ मुहूर्त

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के आगमन की घड़ी नजदीक है। कल सोमवार 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरी नगरी को आध्यात्मिक रंग देकर सजाया गया है। पूरे मंदिर परिसर की छंटा देखती ही बनती है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों न्योता मिला है। अब भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी हुई हैं। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से %मंगल ध्वनि% का भव्य वादन होगा। विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना का साक्षी बनेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि 22 जनवरी को दोपहर 12=20 बजे शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में की जाएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है। यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि (22 जनवरी 2024) को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में होगा। शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकंड तक का रहेगा। यानि प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकंड का है। पूजा-विधि के जजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह अनुष्ठान काशी के प्रख्यात वैदिक आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में 121 वैदिक आचार्य संपन्न कराएंगे।

हीरे का खास हार, 108 फीट लंबी धूपबत्ती

● राम मंदिर को मिले बेहद खास तोहफे, 1265 किलो का लड्डू भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कल यानी 22 जनवरी को होने वाली है। इससे पहले यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। अनुष्ठान और पूजा पाठ का दौर भी लगातार चल रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यहां पहुंचने का शिड्यूल भी जारी हो चुका है। इस बीच देश और दुनिया से भगवान राम के लिए तरह-तरह के उपहार आ रहे हैं। आइए आज आपको चार ऐसे ही उपहारों के बारे में बताते हैं, जो बेहद खास हैं। श्रीराम मंदिर के लिए आए तमाम तोहफों में यह बेहद खास है। वड़ोदरा में एक 108 फीट लंबी धूपबत्ती तैयार की गई है। इसका वजह 3500 किग्रा है। इस धूपबत्ती को बनाने में छह महीने का समय लगा और इसकी कीमत 5 लाख रुपए है। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व इसे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महंत नृत्य गोपाल दास द्वारा जलाया गया। इसको बनाने में गाय के गोबर, घी, खुशबू, हर्ब्स और फूल के पत्तियों का इस्तेमाल किया गया है।

भोपाल में निकली शोभायात्रा, सजे बाजार

भोपाल। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर राजधानी भोपाल में भी उत्सवी माहौल है। रविवार को शहर में जगह-जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। बाग सेवनिया क्षेत्र में भगवान की शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें एक हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं, न्यू मार्केट में विशेष साज सज्जा देखी गई। शहर के बाजारों में अयोध्या के मंदिर के मॉडल और पूजन सामग्री भी खूब बिक रही है। पीर गेट स्थित भवानी मंदिर (कर्फ्यू वाली मां) में भी विशेष कार्यक्रम किए जाएंगे। यहां 101 तरह की 11 क्विंटल मिठाई का भोग मां को लगेगा। फिर भक्तों को वितरित की जाएगी। वहीं, पटाखे भी फोड़े जाएंगे। आयोजक पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने बताया कि 11 क्विंटल मिठाई से पूरे शहर का मुंह मीठा कराएंगे। 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के बाद मिठाई का वितरण भक्तों को किया जाएगा। मंदिर के सामने ही अयोध्या मंदिर की प्रतिकृति बनाई जा रही है। वहीं, पूरे इलाके को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। मंदिर परिसर में रविवार रात से कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। यहां पर सुंदरकांड का पाठ होगा। मथुरा-वृंदावन के कलाकार भी आएंगे, जो नृत्य की प्रस्तुति देंगे। सारेगामा की सौम्या भी अपनी प्रस्तुति देंगी। दो घंटे तक आतिशबाजी होगी। रामधुन पर भजन-कीर्तन होंगे। गुफा मंदिर के 101 बटुक भी शामिल होंगे। पिछले 4 दिन से मिठाई बनाई जा रही है।

महिला सशक्तिकरण अभियान से महिलाएं हर क्षेत्र में हो रहीं आत्मनिर्भर

बोले राज्यपाल मंगुभाई पटेल, "विकसित भारत संकल्प यात्रा" कार्यक्रम में हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ग्राम जामनी गुर्जर में ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगान की धुन पर हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संदेश देखा व सुना गया। खंडवा जिले के ग्राम जामनी गुर्जर में आयोजित ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' कार्यक्रम को महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' का उद्देश्य योजनाओं के लाभ से शेष रहे पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना है, इसका लाभ अवश्य लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर वर्ग की चिंता करते हुए योजनायें बनाई है, जिससे हर पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ प्राप्त हो सकें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि महिलायें स्वयं सहायता समूह से जुड़कर सशक्त हो रही है। महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत बेहतर कार्य करते हुए महिलायें हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही है। हर पात्र हितग्राही को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी वर्ग व सर्वसमाज के लोगों को लाभांवित करने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं व बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भी कई कार्यक्रमों व योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अब बेटियां प्रत्येक कार्यक्षेत्र में निडर होकर कार्य कर रहीं हैं। स्वसहायता समूह की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पहली बार कोई संकल्प यात्रा लगभग 3 हजार रथों के साथ गांव-गांव पहुंच कर लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने का माध्यम बनी है। विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद गुजरात पहुंचेंगे नड्डा

● लोकसभा चुनावों की तैयारियों की पार्टी नेताओं के साथ करेंगे समीक्षा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्?डा गुजरात के दौरे पर आएंगे। नड्डा अपने आगमन में गुजरात में पार्टी की चुनावी तैयारियों को तेज करेंगे। गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के मिलकर लड़ने की संभावना को देखते हुए उनके दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा वैसे तो गांधीनगर में लोकसभा सीट के चुनाव कार्यालय की शुरुआत करेंगे, लेकिन इसके साथ राज्य के नेताओं के चुनावों को लेकर भी चर्चा करेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने दौरे में गांधीनगर कार्यालय के साथ राज्य की सभी 26 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यालय का वुर्चअल उद्घाटन भी करेंगे।

असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर फिर हमला

● कांग्रेस का आरोप-बीजेपी कार्यकर्ताओं ने तोड़ी जयराम रमेश की कार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमला हुआ है। कांग्रेस ने दावा किया कि उनके वरिष्ठ नेता जयराम रमेश की कार और पार्टी की %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% में शामिल कैमरामैनों के साथ रविवार को असम के सोनितपुर जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने %%हाथापाई%% की। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा राज्य में अपने चौथे दिन है, जो असम के बिस्वंत जिले से सोनितपुर होते हुए नागांव तक यात्रा कर रही है। यह कथित हमला राहुल गांधी के नागांव जिले के कालियाबोर में एक रैली को संबोधित करने से पहले हुआ। कांग्रेस पार्टी के मुताबिक, राहुल गांधी के आने से पहले उनके रूट पर बीजेपी समर्थक मार्च निकाल रहे थे, तभी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की कुछ गाड़ियां उस इलाके से गुजर रही थीं। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की और कांग्रेस की यात्रा के मीडियाकर्मियों पर हमला किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की संचार समन्वयक महिमा सिंह ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि इलाके में भाजपा का एक कार्यक्रम हो रहा था और कुछ मीडियाकर्मी वीडियो लेने के लिए अपने वाहनों से उतरे थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, उन्होंने हमारे लिए बहुत डराने वाली स्थिति पैदा कर दी।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 22 जनवरी, 2024

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत श्रीराम जानकी मंदिर में की साफ-सफाई

रायसेन (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल द्वारा उदयपुरा विधानसभा के ग्राम थाला स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में साफ-सफाई करते हुए स्वच्छता सेवा की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व देश के प्रत्येक धार्मिक स्थल पर और आसपास स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। सभी नागरिक धार्मिक स्थलों और उनके आसपास साफ-सफाई कर इस स्वच्छता अभियान में सहभागी बनें। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्य होने जा रहा है। हम भाग्यशाली हैं कि हम इस अवसर के साक्षी बनेंगे।

आश्रम शाला के शिक्षक व सहायक अध्यापक निलंबित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप शासकीय आदिवासी प्राथमिक कन्या आश्रम शाला हैदरगढ के शिक्षक अरविन्द दांगी एवं सहायक प्राध्यापक अमान सिंह सहरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए है। निलंबन अवधि में दोनो कर्मचारियों का मुख्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग जिला संयोजक कार्यालय नियत किया गया है। नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। कलेक्टर श्री भार्गव के द्वारा निलंबन आदेशो का हवाला देते हुए जिला संयोजक श्रीमती पारूल जैन ने बताया कि शासकीय आदिवासी प्राथमिक कन्या आश्रम शाला हैदरगढ में पदस्थ दोनो शिक्षकों के द्वारा संस्था से बगैर पूर्व कोई सूचना के अनुपस्थित रहने व शासकीय कार्यो में निरंतर लापरवाही बरतने के फलस्वरूप तथा जारी निर्देशो की अवहेलना करने पर पूर्व उल्लेखितों के विरूद निलंबन की कार्यवाही की गई है।

समाधान आपके द्वार तहत शिविर व लोक अदालतों का आयोजन 24 फरवरी को

विदिशा (निप्र)। समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत शिविर एवं लोक अदालतो का आयोजन जिले में 24 फरवरी को किया गया है। सम्पूर्ण विदिशा जिले में पिटी डिस्प्यूटस तथा राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु न्यायालय, राजस्व, पुलिस, विद्युत, नगरपालिका परिषद तथा वन विभाग में शिविर एवं लोक अदालतो का आयोजन किया जाएगा। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मसूद अहमद खॉन ने ग्वालियर खण्ड पीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री रोहित आर्या के द्वारा जारी निर्देशो का हवाला देते हुए बताया कि विदिशा जिले में पूर्व उल्लेखित विभागों में पदस्थ अधिकारीगणों को लेबल वन, टू, श्री, में वर्गीकृत करते हुए सम्पूर्ण जिले में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को चिन्हित करने हेतु संबंधितों को ताकिद किया गया है ताकि इस योजना से अधिक से अधिक लाभांवित हो सकें। साथ ही आमजनों तक शिविर आयोजनो की सूचनाएं सम्प्रेषित करने हेतु पैरालीगल वॉलिन्टियर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी आदि के द्वारा डोर-टू-डोर केम्पियन चलाया जा रहा है।

रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया भेरूंदा एसडीएम कार्यालय एवं तहसील परिसर

सीहोर (निप्र)। अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में जिलेभर में सभी शासकीय कार्यालयों, मंदिरों धार्मिक प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक संस्थाओं के भवनों को रंग बिरंगी विद्युत रोशनी से सजाया जा रहा है । भैरूंदा के तहसील एवं एसडीएम कार्यालय को आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा उत्सव, नर्मदापुरम में नाट्यमंचन प्रभु श्रीराम ने खाए माता शबरी के जूठे बेर

नर्मदापुरम (निप्र)। अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूर्व जिले में श्रीरामकथा के विशिष्ट चरितों आधारित 'श्रीलीला समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। प्राचीन सेठानी घाट पर तीन दिवसीय श्रीरामचरित लीला समारोह में दूसरे दिन भक्तिमति शबरी कथा का मंचन किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन बालाघाट के रूपकुमार बनवाले और उनकी टीम ने किया है। लीला नाट्य भक्तिमति शबरी कथा में बताया कि पिछले जन्म में माता शबरी एक रानी थीं, जो भक्ति करना चाहती थीं लेकिन माता शबरी को राजा भक्ति करने से मना कर देते हैं। तब शबरी मां गंगा से अगले जन्म भक्ति करने की बात कहकर गंगा में डूब कर अपने प्राण त्याग देती हैं। अगले दृश्य में शबरी का दूसरा जन्म होता है और गंगा किनारे गिरिवन में बसे भील समुदाय को शबरी गंगा से मिलती हैं। ऋषि मतंग माता शबरी को दीक्षा देते हैं। आश्रम में कई कपि भी रहते हैं जो माता शबरी का अपमान करते हैं। अत्यधिक वृद्धावस्था होने के कारण मतंग ऋषि माता शबरी से कहते हैं कि इस जन्म में मुझे तो भगवान राम के दर्शन नहीं हुए, लेकिन तुम जरूर इंतजार करना भगवान जरूर दर्शन देंगे। लीला के अगले दृश्य में गिद्धराज मिलाप, कबंद्धा सुर संवाद, भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग मंचित किए गए।

भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग में माता सीता की खोज में जब श्रीराम शबरी की कुटिया पहुंते तो वह भाव विभोर हो गईं और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। कहते हैं कि शबरी ने श्रीराम को स्वयं चखकर सिर्फ मीठे बेर खिलाये, जिसे भगवान राम ने भी भक्ति के वश होकर प्रेम से खाए। शबरी की भक्ति देखकर श्रीराम ने उन्हें मोक्ष प्रदान किया। भगवान राम माता शबरी को नवधा भक्ति कथा भी सुनाते हैं और शबरी उन्हें माता सीता तक पहुंचने वाले मार्ग के बारे में बताती हैं। लीला नाट्य के अगले दृश्य में शबरी समाधि ले लेती हैं। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष नर्मदापुरम नीतू महेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे एवं अन्य जनप्रतिनिधि और बढ़ी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अनेक हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं से हर जरूरतमंद व्यक्ति को लाभान्वित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा संचारित की जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ पाने से वंचित न रहे। विकसित भारत यात्रा ग्राम जिले के ग्राम मालीखेड़ा एवं राजुखेड़ी में पहुँची। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से देते हुए कहा कि सरकार द्वारा आम लोगों के हित के लिए अनेक योजनाएं संचालित किए जा रही है। योजनाओं योजनाओं से पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करने और सभी हितग्राही मूलक योजनाओ की जानकारी देने के लिए ही अधिकारी खुद गाँव आये है। विकसित भारत संकल्प यात्रा यात्रा ग्रामों में भ्रमण के दौरान कृषि, स्वास्थ, पशुपालन, मत्स्य विभाग सहित अनेक विभागों के अधिकारियों ने ग्रामवासियां को योजना के अन्तर्गत कैसे लाभ प्राप्त कर सकते है। इस संबंध में विस्तार से समझाई दी। यात्रा ग्राम राजुखेड़ी एवं माली खेड़ा में कैम्प के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न हितग्राही मूलक योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विभाग से संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। स्थानीय प्रतिभाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पांच रथों से भेजे जा रहे 5 लाख लड्डू

रथों का जिले की सीमा में प्रवेश पर हुआ भव्य स्वागत

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा आज भोपाल से श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति , उज्जैन द्वारा अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भेजे जा रहे पांच लाख लड्डुओं के प्रसाद रथों को रवाना किया है उक्त सभी पांच प्रसादी रथों का विदिशा जिले की सीमा में प्रवेश उपरांत स्वामी विवेकानंद चौराहा पर गुलाब की पंखुड़ियों से वर्षा कर रथों का भव्य स्वागत ही नहीं किया बल्कि रथों को अयोध्या ले जा रहे सभी ड्राइवरों को फूल माला पहनकर शुभकामनाएं दी हैं। अतिथि देव भवों की संस्कृति का निर्वहन करने के उक्त कार्य में विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक संगठनों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों के अलावा के अलावा विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, जिला प्रशासन, नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई है।

कमियां पाए जाने पर सुधार लाने के निर्देश, स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई पर दिया गया बल

विदिशा (निप्र)। संभागीय संयुक्त संचालक डॉ श्रीमती नीरा चौधरी द्वारा अपनी टीम के साथ विदिशा जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्यारसपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संभागीय संयुक्त संचालक ने सभी वार्डों में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की गतिविधियों का जायजा लिया एवं संधारण किए गए रिकार्ड की जांच की गई। उन्होंने दवा वितरण केंद्र, लैब जांच, एक्सरा जांच, एनसी जांच कक्ष, ओपीडी, स्टोर रूम, इंजेक्शन रूम, आध्यात्मिक कक्ष, डिलीवरी कक्ष, मेटरनिटी वार्ड, एनआरसी वार्ड का भ्रमण कर कमियां पाए जाने पर सुधार लाने के निर्देश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्यारसपुर की बीएमओ डॉ सुनीता नागेश को दिए हैं। साथ ही उन्होंने ग्यारसपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन जो की काफी पुराना हो चुका है उसके स्थान पर नया भवन बनाए जाने हेतु भवन निर्माण के मांग पत्र भेजने के निर्देश भी बीएमओ को दिए। संयुक्त संचालक डॉ चौधरी ने निर्देशित किया है कि सभी वार्ड एवं अस्पताल परिसर के प्रत्येक कक्ष का प्रतिदिन साफ-सफाई होना अनिवार्य है एवं उपकरणों का भी

संभागीय संयुक्त संचालक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्यारसपुर का औचक निरीक्षण किया

प्रापर तरीके से निसंक्रमित किया जाना अति आवश्यक है। जिससे मरीजों एवं स्टॉफ के संक्रमित होने का खतरा ना रहे। इसके बाद उप स्वास्थ्य केंद्र अटारीखेजड़ा की आंगनवाड़ी में चल रहे वीएचएसएनडी का निरीक्षण किया गया। एएनएम एवं आशा की ड्यू लिस्ट को चेक कर दर्ज हितग्राहियों में से कितने हितग्राहियों का टीकाकरण किया गया है का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान लेफ्ट आउट ड्राप आउट के बारे में समझाया एवम अनुपस्थित लाभार्थियों को मोबाइल से संपर्क कर टीकाकरण की जानकारी जरूर ली जाने, कोई भी गर्भवती या बच्चा टीकाकरण से वंचित ना रहे, क्षेत्र में टीवी मरीजों की भी जानकारी ली गई, सभी संभावित मरीजों की जांच कर पॉजिटिव मरीज को पूर्ण उपचार किया जाए ताकि प्रदेश को टीवी मुक्त किया जा सके।

विधायक डॉ चौधरी ग्राम पंचायत मुछैल तथा मउजागीर में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में हुए शामिल

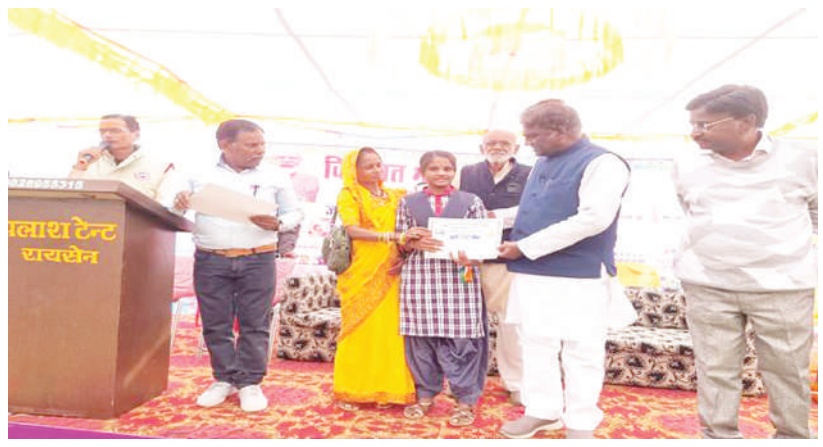

रायसेन (निप्र)। सांची विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मुछैल तथा मउजागीर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविरों में विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में भी 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। ऐसे जरूरतमंद और पात्र नागरिक जो किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं का लाभ पाने से छूट गए हैं उन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि कई बार दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को योजनाओं की जानकारी नहीं होने से योजनाओं का लाभ लेने से छूट जाते हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा में विभिन्न माध्यमों से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दूर-दराज में पात्र और जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंच रही है और योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के प्रयास किये जा रहें है। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन सहित अन्य योजनाओं का भी उल्लेख किया। विधायक डॉ चौधरी ने शिविर में उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों को वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकने, देश समृद्ध विरासत पर गर्व करने, भारत की एकता को सुदृढ़ करने और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने तथा नागरिक होने का कर्तव्य निभाने की शपथ दिलाई गई। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्र भी हितग्राहियों को प्रदान किए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री गर्ग ने रहटगांव व बड़वानी में तैयारियों का लिया जायजा

हरदा (निप्र)। प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 21 जनवरी को हरदा जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहटगांव व बड़वानी आयेंगे। इस दौरान कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग ने पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कंचन के साथ शनिवार शाम को रहटगांव व बड़वानी का दौरा कर वहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लिया। जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया और अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गर्ग ने रहटगांव में बनाये गये हेलीपेड के आसपास मजबूत बेरिकेटिंग करने के निर्देश दिये। उन्होने बड़वानी के कार्यक्रम में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में भी उपस्थित अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने रहटगांव व बड़वानी में वाहन पार्किंग व्यवस्था तथा बड़वानी के कार्यक्रम में अतिथियों व ग्रामीणों की बैठक व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिये।

दिव्यांगजनों को रेल्वे रियायत प्रमाण पत्र वितरित

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिले के 15 दिव्यांग जनों को रेलवे पास वितरित किए गए। जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र में मानसिक, बहुदिव्यांग एवं अस्थिबाधित दिव्यांगता तथा अन्य प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित दिव्यांग जनों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। दिव्यांग जनों को जानकारी दी गई कि 80त्न दिव्यांगता से ग्रसित अस्थि बाधित दिव्यांगजनों के लिए मोटराइज्ड ट्राइसिकल के नवीन आवेदन अर्जुन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण किया जा रहा है। विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ दिव्यांग हितग्राहियों तक पहुंचे इसके बारे में विस्तार से बताया गया जिसमे सभी प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित दिव्यांग जनों का सामूहिक पुनर्वास किया जाकर समस्त सुविधा और रेल्वे पास बनवाकर भी दिव्यांगजनों को प्रदाय किया जाता है। 15 दिव्यांगजनों को रेलवे पास वितरित किए गए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख श्री महेश यादव ने दिव्यांगजनों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और रेलवे पास वितरित किए

कलेक्टर ने अपने हाथो से कूड़ा करकट उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने आज कलेक्टेऊट परिसर एवं एसडीएम व तहसील कार्यालय में साफ सफाई व स्वच्छता का संदेश स्वंय ने अपने हाथो से झाड़ू लगाकर, कूडा करकट उठाकर दिया है। राजस्व विभाग के द्वारा शनिवार को जिले के सभी राजस्व कार्यालयो में एक साथ स्वच्छता अभियान का संचालन प्रातः कर साफ सफाई व स्वच्छता का संदेश दिया है। जिला मुख्यालय पर आयोजित साफ सफाई स्वच्छता कार्यक्रम में कलेक्टर के साथ-साथ अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री विष्णु प्रसाद यादव के अलावा अन्य राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कलेक्टेऊट परिसर में साफ सफाई के कार्यो को संपादित किया है। कलेक्टर श्री भार्गव ने साफ सफाई के दौरान नियत स्थलों पर डस्टबिन रखने के निर्देश संबंधितों को दिए है। सम्पूर्ण अभियान के दौरान नगरपालिका स्टॉफ ने भी सहभागिता निभाई और नगरपालिका के कचरा वाहनो में कचरा भरने के उपरांत उन्हें नियत स्थलों पर डम्प कराया गया है।

तहसीलो में साफ सफाई

स्वच्छता अभियान के तहत शासकीय अवकाश शनिवार को जिले के सभी एसडीएम कार्यालय व तहसील कार्यालयो में एक साथ वृहद साफ सफाई कार्यो का संपादन स्थानीय एसडीएम व तहसीलदार के संयुक्त प्रयासों से हुआ है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बताया कि जारी निर्देशो के अनुपालन में हरेक विभाग कार्यालयो में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय अधिकारी, कर्मचारी भी स्वच्छता के सहभागी बनें इसके लिए साप्ताहिक साफ सफाई अभियान के तहत शनिवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के द्वारा अपने-अपने कार्यालयो में विशेष पहल करते हुए साफ सफाई के कार्यो का संपादन कर स्वच्छ रहने व स्वच्छता का पालन करने का संदेश दिया है।

भगवान श्रीराम प्राणप्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर पूरे जिले उत्साह का वातावरण जिले के कई ग्रामों तथा नगरों के मंदिरों में भजन कीर्तन का आयोजन

सीहोर (निप्र)। भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे जिले उत्साह का वतावरण देखने को मिल रहा है और जिले के ग्राम बामुलिया, पचामा, ढाबला एवं अहमदपुर मे प्रभात फेरी, रथ यात्रा, भजन कीर्तन, कलाश एवं झण्डा यात्रा का आयोजन किया गया और महिलाये और पुरूष ने मिलकर संस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़ी धुमधाम से किया। जिले के कई ग्रामों के मंदिरों में गम्मत के माध्यम से भजन कीर्तन का आयोजन हो रहा है। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। इस अवसर पर नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे जिले में उमंग और उत्साह का माहौल है । जिले में मंदिरो में भजन कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, सोमवार 22 जनवरी, 2024

भूमाफिया का अवैध निर्माण ध्वस्त

इंदौर। शहर के भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध निर्माण और कब्जे पर महीनों बाद पुलिस ने कार्रवाई की। खजराना में महिला की जमीन को फर्जी तरीके से हथियाकर किए गए निर्माण पर रिमूव्हल किया गया। खजराना पुलिस को फरियादी आसमा अंसारी ने बताया कि उसका न्यू खिजराबाद में 400 स्क्वायर फीट का प्लॉट है। यह प्लाट कुछ साल पहले खरीदा था। प्लाट पर निर्माण करने गए, तब पता चला कि यहां कुछ कमरे बनाकर वहां टीन शेड लगाए गए हैं। मामले में महिला ने आरोपी शेख अमजद अली के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर प्लाट बेच दिए थे। प्लाट लेने वालों ने ही कमरों का निर्माण किया था। मामले में पुलिस ने आरोपी पर धारा 420, 467,468,447 और 120 बी में केस दर्ज किया था। आरोपी पर कार्रवाई के बाद शनिवार को निगम की टीम ने कमरों को ध्वस्त कर टीनशेड हटाते हुए फरियादी को कब्जा दिलाया। सूत्रों की मानें तो आरोपी ने शासकीय जमीन पर भी निर्माण किए थे, उन्हें भी हटाया गया।

तीन माह बाद ट्रैफिक के लिए खुलेगा भंवरकुआं ब्रिज

इंदौर। शहर के ट्रैफिक को बेहतर बनाने इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा भंवरकुआं फ्लाईओवर ब्रिज का काम द्रुतगति से कराया जा रहा है। अप्रैल माह में ब्रिज को ट्रैफिक के लिए खोला जाएगा। शनिवार को ब्रिज पर प्रथम गर्डर लांचिंग कार्य का पूजन एवं निरीक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा ने किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम और प्राधिकरण विकास की गति बनाए रखने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। अध्यक्ष को बधाई देते हुए कम समय में ब्रिज का काम पूरा करने के संकल्प की सराहना की। अध्यक्ष ने बताया कि 625 मीटर लंबे एवं 6 लेने के इस ब्रिज की तीन-तीन लेन अलग-अलग बनाई जा रही है. ब्रिज की लागत 55 करोड़ रुपए होगी। इसके एक और की तीन लाइन को अप्रैल में चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

गेंहू भेजने के नाम पर ठगी चार साल बाद मामला दर्ज

इंदौर। असम का कारोबारी बताकर गेहूं का बड़ा लाट भेजने का झांसा देकर आरोपी ने 6 लाख रुपए की ठग लिए। मामला चार साल पुराना है। फरियादी ने कई बार राऊ थाने में रिपोर्ट लिखाने का प्रयास किए। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद शुक्रवार को धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया। फरियादी विजय पिता कृष्णकांत यादव निवासी ग्राम कोदरिया की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सुरेश पिता हुकुम सोलंकी और मोरमी पिता राजन दत्त के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि उसका श्रमिक कॉलोनी राऊ में श्रीश्री गृह उद्योग नाम से कारोबार है। उन्होंने गेहूं बेचने के लिए पहले सुरेश सोलंकी ने संपर्क किया। सुरेश ने उनकी बात मोरमी दत्त से कराई। इसी दौरान दोनों ने फरियादी को गेहूं का बड़ा लाट मुनाफे में बेचने का झांसा दिया। आरोपियों ने ईमेल और व्हाट्सएप से दस्तावेज भी भेजे। खुद की मोरबी ट्रेडिंग फॉर्म जोरहाट (असम) होना बताया। फरियादी ने भरोसा करके आरोपियों के बताए बैंक खातों में रुपए जमा करा दिए। तबसे आरोपियों द्वारा न गेहूं लिया जा रहा है और न पैसे वापस किए जा रहे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

चोरी करने घुसी महिला को पकड़ा

इंदौर। फ्लैट में चोरी करने घुसी महिला को रहवासियों ने पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। महिला के साथ एक युवक भी था, जो भागने में सफल हो गया। एमआईजी थाने में फरियादी अनिल पाटिल निवासी रवि नगर की शिकायत पर आरोपी किरण कुशवाह निवासी मूसाखेड़ी पर केस दर्ज किया है। घटना रवि नगर रोशन किरण अपार्टमेंट की है। अपार्टमेंट में घुसी महिला और पुरुष फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसे थे। गार्ड को खटपट की आवाज सुनाई दी तो उसने फ्लैट का दरवाजा खटखटाया, तभी युवक भाग निकला। गार्ड ने शोर मचाया तो रहवासियों ने घेराबंदी कर किरण कुशवाह निवासी मूसाखेड़ी को धर दबोच लिया।

छात्रों की सभी समस्याओं को अब ऑनलाइन हल करेगा डीएवीवी

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी अब छात्रों की समस्याओं का निराकरण घर बैठे ही एक फोन पर करेगी। इसके लिए अब नया प्रयोग किया जा रहा है। विवि ने पहली बार समस्याओं के निदान के लिए विवि ने वीसी हेल्पलाइन शुरू की है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से छात्र अपनी समस्या अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक विशेष ई-मेल बनाया है, जिस पर विद्यार्थियों को अपनी शिकायत से संबंधित दस्तावेज व प्रमाण देने होंगे। इसके चलते विश्वविद्यालय को तीन दिन में समस्या का हल निकालना होगा। बता दें कि विश्वविद्यालय से संबद्ध 280 कॉलेज हैं। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कई समस्याएं हैं, विद्यार्थियों की कई समस्याएं हैं, मगर दूर दराज इलाकों में रहने की वजह से विद्यार्थी बार-बार अधिकारियों व विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगा पाते हैं। इससे निपटने के लिए विवि की कार्यपरिषद ने दिसंबर में वीसी हेल्पलाइन को शुरू करने पर सहमति दी। महीने भर बाद विवि वीसी हेल्पलाइन के लिए ईमेल आईडी भी बनाई है।

श्री राम के जीवन प्रसंगों पर लगाई गई पेंटिंग प्रदर्शनी में 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड बने

160 सीबीएसई स्कूलों में राम के जीवन पर 41148 पेंटिंग बनाई

इंदौर। एसोसिएशन ऑफ अनएडेड सीबीएसई स्कूल, नगर निगम और इंदौर सहोदय स्कूल ने दशहरा मैदान में भगवान राम के जीवन पर आधारित पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में शहर के 160 सीबीएसई स्कूलों के हजारों स्टूडेंट्स ने भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित प्रसंगों पर 41 हजार 148 पेंटिंग्स बनाई। इस प्रदर्शनी ने गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया गया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बच्चों को भजन भी सुनाए और बच्चों से 22 जनवरी को घरों के बाहर दीपक जलाने और पटाखे फोड़कर दीपावली मनाने का आग्रह भी किया। समारोह में विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा और महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित थे।

160 स्कूलों के स्टूडेंट्स शामिल- एसोसिएशन ऑफ अनएडेड सीबीएसई स्कूल के अध्यक्ष अनिल धूपर ने बताया 160 स्कूलों के स्टूडेंट्स ने पेंटिंग बनाई है। प्रदर्शनी में 41148 पेंटिंग प्रदर्शित की गई। इससे पहले का रिकॉर्ड 26 हजार पेंटिंग का था। विद्यार्थियों को पेंटिंग बनाने के लिए भगवान राम, रामायण, रामचरित मानस की हर जानकारी दी गई थी। साथ ही उन्हें वीडियो भी दिखाए गए। इस आधार पर स्टूडेंट्स ने पेंटिंग बनाई, जिसका प्रदर्शन यहां किया गया। इस पूरी प्रक्रिया को सिर्फ एक सप्ताह में मूर्त रूप देना भी किसी रिकॉर्ड से कम नहीं है। बच्चों ने भी इसे सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पेंटिंग में राम जन्म से उत्तरकांड तक - प्रदर्शनी को देखकर ऐसा लग रहा था मानों बच्चों ने रामायण के सभी प्रसंगों को पेंटिंग में उकेर दिया। इन पेंटिंग्स में राम जन्म से लेकर उत्तरकांड तक के सुंदर चित्रण देखने को मिले। बच्चों ने अपनी कलाकारी से इन सभी दृश्यों को कैनवास पर इस प्रकार से उकेरा जैसे उन्होंने इन घटनाओं को अपने सामने होते हुए देखा हो। हर बारीकी को बेहद खूबसूरती के साथ पेंटिंग्स पर उकेरा गया। सीबीएसई सहोदय ग्रुप की चेयरपर्सन ईसाबेल स्वामी ने बताया कि हर स्कूल से अधिकतम 1 हजार और न्यूनतम 500 पेंटिंग मंगवाई गई। 2 हजार विद्यार्थी और 500 शिक्षकों ने इस प्रदर्शनी को मूर्त रूप दिया।

अयोध्या में राम जी के आने की खुशी में आसमान भी हुआ भगवामय

थाने में ही लगने लगे अब टीआई और जवानों के बिस्तर, पुलिस चाक चौबंद

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पुलिस के इंतजाम

इंदौर। अयोध्या में कल 22 जनवरी को आयोजित होने वाले राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सुरक्षा के माकूल इंतजाम रहेंगे। आज 21 जनवरी को सुबह से शहर व जिले के सभी थानों में बिस्तर लगेंगे। जिन जवानों, अधिकारियों ने 21 और 22 का अवकाश लिया था, उनके अवकाश भी निरस्त किए गए हैं। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों ने आदेश जारी कर दिए हैं। पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते शहर के धर्मस्थलों के साथ कई जगह आयोजन होंगे। आयोजन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू की गई है। कुछ दिन पूर्व शहर में धर्मस्थलों पर कार्यक्रमों के दौरान गंभीर वारदातें हो चुकी है। रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में हत्या और छोटी खजरानी में धर्म विरोधी नारेबाजी के चलते प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले दिन को शांतिपूर्ण निकालने के लिए प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर शांति समिति और धर्मगुरुओं की बैठक आयोजित की गई। इसमें पुलिस ने समिति सदस्यों से आग्रह किया कि वे समारोह में सहयोग बनाए रखें। किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने दें। असामाजिक तत्वों व हुड़दंगियों की शिकायत पुलिस से करें।

यह रहेगा सुरक्षा का खाका

● संवेदनशील क्षेत्रों में हर चौराहे पर रहेंगे जवान। ● 10 डोम कैमरों से रखेंगे नजर। ● थानों पर मोबाइल गाड़ियां रहेंगी। ● नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों की मदद लेंगे। ● धर्मस्थलों पर निगरानी के लिए वीडियोग्राफी होगी। ● धार्मिक आयोजन में विवाद करने वालों पर नजर रखी जाएगी। ● हर एक घंटे में क्षेत्र की स्थिति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देना होगी। ● संवेदनशील क्षेत्रों के साथ ही अन्य स्थानों पर सतत पेट्रोलिंग की जाएगी ● जिले के सारे फोर्स को सुरक्षा में लगाया जाएगा। ● बाहरी जिलों की पुलिस और एसएएफ की दो कंपनियां तैनात रहेगी।

आयोजकों से अपील

● पुलिस कमिश्नर ने आयोजकों से अपील की है कि शहरवासियों को सुरक्षात्मक एहतियात बरतने के निर्देश दिए जाएं। ● धर्मस्थलों पर आने-जाने का मार्ग अलग-अलग रखा जाए। ● भीड़ नियंत्रण, प्रसादी वितरण आदि के लिए वालिंटियर्स की टीम की मदद ली जाए। ● अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता रहे। ● जीर्ण शीर्ण ढांचे, असुरक्षित इमारतें, बावड़ी आदि पर बने ढांचे पर आयोजन नहीं किए जाएं। ● सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करें।

जलूद पंपिंग स्टेशन का बिजली बिल छह महीने से बाकी, निगम अदा नहीं कर सका

अब बिजली कंपनी ने जलूद का बकाया बिजली का बिल सीधे भोपाल भेजा

इंदौर। नगर निगम की माली हालत लगातार खराब होती जा रही है। खर्च की तुलना में निगम की आय में कमी आ रही। पिछले 6 माह से तो नगर निगम नर्मदा के जलूद पंपिंग स्टेशन का बिजली बिल चुकाने में असमर्थ साबित हो रहा है। यही कारण है कि बिजली कंपनी ने अब नगर निगम को बिजली बिल पहुंचाना ही बंद कर दिया। यह बिल सीधे सरकार को भोपाल पहुंचाया जा रहा है। जानकारी अनुसार प्रतिमाह इस बिल की राशि लगभग 25 करोड़ रुपए निगम को चुकानी होती है। लेकिन, पिछले छः माह से आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते निगम इस बिल की राशि का भुगतान नहीं कर पा रहा। ऐसे में मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने यह निर्णय लिया। क्योंकि, बिजली बिल की राशि लगातार पेंडिंग हो रही है। जितनी राशि नगर निगम के पास उपलब्ध होती थी, वह तो चुका दी जाती थी। लेकिन, बकाया राशि तेजी से बढ़ रही थी। अभी नगर निगम के पास हर महीने 89 करोड़ रुपए के स्थाई खर्च पूरा करने के लिए राशि नहीं है। बैंकों से उधार लेकर खर्च चलाया जा रहा। एक घरेलू कनेक्शन पर 800 रु. होते हैं खर्च इंदौर नगर निगम सीमा की 16 लाख आबादी सहित महू तहसील के गांवों में पानी का संकट नहीं हो, इस लिहाज से नगर निगम का बिजली कनेक्शन विद्युत कंपनी द्वारा नहीं काटा जाता। सूत्रों के अनुसार निगम के पास इंदौर शहर में लगभग 2.50 लाख से अधिक नर्मदा कनेक्शन हैं। अधिकारियों के अनुसार नगर निगम को शहरवासियों के घर तक पानी पहुंचाने की लागत प्रति कनेक्शन प्रतिमाह लगभग 800 रुपए पड़ती है, लेकिन निगम पानी का बिल 200 प्रतिमाह शहरवासियों से लेता है। नगर निगम की आर्थिक स्थिति वर्तमान में शासन से अलग-अलग मदों में मिलने वाली सहायता राशि नहीं मिलने के कारण आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। यही कारण है कि निगम जलूद का बिजली बिल चुकाने में असमर्थ था, इसलिए शासन से सीधे भुगतान हो रहा है। प्रतिमाह 89 करोड़ रुपए की आवश्यकता स्थाई खर्च पूरे करने के लिए होती है।

2028 तक पुराना लोन भरना है- इसके साथ ही नगर निगम 2007 से नर्मदा के प्रथम चरण निर्माण के लिए लिया गया लोन भी चुका रहा है, जिसकी किस्त हर साल अक्टूबर में चुकाना होती है। इसकी राशि 47 करोड़ रुपए है, जो 2028 में पूरा होगा। साथ ही शहर के विकास कार्यों के लिए बैंक से 130 करोड़ रुपए का लोन लिया है। हुडको और अर्बन डेवलपमेंट बैंक से लिए लोन की किस्त चुकानी होती हैं। यह नंदानगर के विकास को लिए गए थे, जो सालों बाद भी निगम चुका नहीं पा रहा है।

बस में आग लगी, कांच फोड़कर निकले यात्री

इंदौर। देवास से इंदौर आ रही यात्री बस में अचानक आग लग गई। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। कांच फोड़कर यात्री बाहर निकले। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड के अनुसार, दोपहर 1.40 बजे देवास से इंदौर आ रही यात्री बस क्रमांक एमपी-09-पी-3451 बायपास पर कुछ सवारी उतारकर आगे बढ़ी थी कि अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। ड्राइवर ने साइड ग्लास से धुआं उठते देख यात्रियों को तत्काल बाहर निकलने को कहा। इससे आपाधापी मच गई। आग इतनी भयानक थी कि पूरी बस जल गई। कुछ यात्री मुख्य गेट तो कुछ यात्री कांच फोड़कर बाहर निकले। बस में 25-30 सवारी थी। बस चालक ने फायर ब्रिगेड और लसूड़िया पुलिस को सूचना दी। अमले ने 7 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

आंगनबाड़ियों को सुविधाजनक बनाने के लिए उसे हाईटेक करने की तैयारी

1839 आंगनबाड़ियों में एलईडी और पंखे लगाने की योजना बनाई

इंदौर। जिले में संचालित हो रही 1839 आंगनबाड़ियों को हाईटेक करने के साथ साथ सर्वसुविधायुक्त बनाने की कार्रवाई की जा रही है। ऐसे केंद्र जो अब भी पड़ोसियों से या पंचायतों से बिजली उधार लेकर संचालित हो रहे थे, उन्हें विभाग ने 3 करोड़ 12 लाख रुपए लगाकर रोशन करना शुरू कर दिया है। 993 शासकीय भवनों में संचालित हो रही आंगनबाड़ियों को खुद का मीटर देने के साथ विभाग हर महीने बिल भरने में भी मदद कर रहा है।करोड़ 12 लाख रुपए की लागत से से जिले में आंगनवाड़ियों को रोशन किया जा रहा है। गर्मी के

दिनों में बच्चों को गर्मी, मौसम की मार से बचाने के साथ-साथ राहत देने के लिए सरकार के निर्देश पर पहल की रही है। 993 ऐसी आंगनवाड़ियां, जो शासकीय भवनों में संचालित की जा रही हैं, उन्हें चाकचौबंद व्यवस्था के साथ अपडेट करने के साथ विभाग ने खुद का मीटर लगवाने की सुविधा दे दी है। हालांकि 117 आंगनवाड़ियों में अब भी काम होना बाकी है। ज्ञात हो कि जिले की सभी आंगनबाड़ियों को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ठेला चलाकर खिलौने और इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित आर्थिक सहायता भी जन सहयोग के माध्यम से मुहैया कराई थी, जिसमें दो ट्रक भरकर सामान और लगभग 8 करोड़ की राशि एकत्रित हुई थी, जिसके माध्यम से आंगनबाड़ी के बच्चों को सर्वसुविधायुक्त वातावरण देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

बिजली मीटर लगने के बाद आंगनबाड़ियों में एलईडी के माध्यम से एलईडी, पंखे, और वाटर कूलर भी चलाए जा सकेंगे। अब तक आंगनबाड़ियों को पंचायतों और शहरी क्षेत्र में नगर निगम व पड़ोसियों की सहायता से व्यवस्था की जा रही थी।

600 रुपए तक बिल भरेगा विभाग- महिला एवं बाल विकास अधिकारी रामनिवास बुधोलिया के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों पर बिजली मीटर लगाने की कवायद बहुत पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन अब काम पूर्णता की ओर है। बिजली मीटर लगने के बाद 600 रुपए महीने तक का बिल भरने के लिए विभाग मदद करेगा। उनके अनुसार कई केंद्रों पर बिजली मीटर नहीं लगे होने के कारण बच्चों को अंधेरे में बैठकर पढ़ना पड़ता था, अब न अंधेरा रहेगा और न ही गर्मी के दिनों में पंखे की कमी रहेगी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 22 जनवरी, 2024

संपादकीय | नाव हादसाः लोग सबक लेने को तैयार नहीं

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि उस तरह के हालात और कारणों से बचने के हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दुबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि नदियों में यात्रियों सहित नाव डूबने की बार-बार घटनाओं और उसके कारणों के साफ होने के बावजूद लोग उससे सबक लेने को तैयार नहीं हैं। गुजरात के वडोदरा में एक झील में नाव पलट जाने से बारह बच्चों और दो शिक्षकों की डूबने से मौत की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि लापरवाही कायम है और निर्दोष लोगों की जान जा रही है।

वडोदरा के हरणी झील में एक स्कूल के छात्र अपने कुछ शिक्षकों के साथ पिकनिक मनाने गए थे। जाहिर है, यह सैर-सपाटा और अच्छा वक्त बिताने के लिए आपस में खुशी बांटने का मौका था। मगर इस क्रम में कई स्तर पर जितनी बड़ी लापरवाही बरती गई, उसमें खुशी मनाने का वह मौका एक मातम में बदल गया। गहरे पानी में नाव का संतुलन बिगड़ा और वह पलट गई, जिसमें बारह विद्यार्थी और दो शिक्षक डूब गए। जबकि किसी तरह अठारह छात्रों और दो शिक्षकों को बचा लिया गया।

सवाल है कि जिस नाव की कुल क्षमता महज सोलह लोगों की थी, उस पर करीब दोगुनी संख्या में लोगों को बिठा कर गहरे पानी में ले जाने की छूट किस आधार पर मिली हुई थी और इसकी अनदेखी कर ऐसा करने की इजाजत किसने दी थी! जबकि अगर नियम-कायदे के मुताबिक नाव झील में जा रही हो, तब भी हादसे का जोखिम लगातार बना रहता है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नाव में सवार कुल दस बच्चों को ही जीवनरक्षक जैकेट

पहनाए गए थे। यह किस आधार पर मान लिया गया कि बाकी को इसकी जरूरत नहीं थी? ऐसी घटनाओं के बाद रस्मअदायगी में उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई आदि की घोषणा की जाती है, वह वडोदरा में हुए हादसे के बाद भी हुई।

नाव संचालन से जुड़े एक प्रबंधक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुल अठारह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। मगर अफसोस कि चौदह लोगों की जान जाने के बाद प्रशासन की ओर से दर्शाई जा रही इस सक्रियता का आधा हिस्सा भी अगर अमल में रहता तो यह हादसा ही न होता।

इस तरह का यह कोई पहला हादसा नहीं है। विडंबना है कि किसी भी स्तर पर जोखिम का ध्यान रखना और उसी मुताबिक बचाव के इंतजाम करने को कोई दोयम दर्जे का काम माना जाता है। खबरों के मुताबिक, वडोदरा की झील में हुए हादसे के वक्त स्थानीय लोगों ने कई बच्चों को बचाया। नावों के संचालन को इजाजत देने वाले संबंधित महकमे और उसके अधिकारियों को यह सुनिश्चित कराना जरूरी क्यों नहीं लगा कि नाव पर सवार हर व्यक्ति को जीवनरक्षक जैकेट पहनाया जाए और हर हाल में नाव के साथ-साथ आसपास पर्याप्त संख्या में गोताखोर, बचावकर्मी मौजूद हों, जो आपात स्थिति में लोगों की जान बचा सकें।

दरअसल, नाव के डूबने के जो भी कारण सामने आए हैं, उससे साफ है कि यह आपराधिक लापरवाही का मामला है। इसमें न केवल नाव के संचालन से जुड़े लोग, बल्कि उसमें सवार होने वाली संख्या, सुरक्षा उपकरणों के अभाव, बचावकर्मियों की गैरमौजूदगी और जोखिम की आशंका जैसी स्थितियों की जानबूझ कर अनदेखी करने वाले वे अधिकारी और कर्मचारी भी जिम्मेदार हैं, जिनका दायित्व होता है कि नियमों पर सौ फीसद अमल सुनिश्चित हो।

सोशल मीडिया से...

मोदी सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति का हासिल की है, इस प्रगति का श्रेय हमारे नेता पीएम मोदी के अथक समर्पण और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार की इच्छा शक्ति को दिया जा सकता है।

जेपी नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

म्यांमार के साथ हमारी खुली सीमा है। इसे हम बांग्लादेश की तर्ज पर बाड़ (फेंसिंग) लगाकर सुरक्षित करेंगे। सरकार दोनों के बीच फ्री मूवमेंट एग्रीमेंट पर भी पुनर्विचार कर रही है।

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

भाजपा बनी-बनाई यानी जनता की निर्वाचित सरकारों को गिराने का काम करती है। भाजपा के गलत कामों की सूची बनाई जाए तो पूरी किताब बन जाएगी। 90 के दशक में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार गिराने के लिए उन्होंने वामपंथियों का साथ दिया।

सचिन पायलट, कांग्रेस नेता

कोई भी पार्टी जाए या न जाए मैं जरूर जाऊंगा। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे दौर में ये मंदिर बन रहा है इसलिए हम सभी को जाकर आशीर्वाद लेना चाहिए। कोई भी पार्टी जाए या न जाए मैं जरूर जाऊंगा।

हरभजन सिंह, आप सांसद

आज का कार्टून

राम मंदिर निर्माण हेतु योगदान में राजस्थान सबसे आगे

रामलला के मंदिर में लगा हल्के लाल रंग का सेंड स्टोन राजस्थान से गया है। भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया के पास उपरमाल की खानों का पत्थर राम मंदिर में लगा है। बिजौलिया की 3 कंपनियों से राम मंदिर को लगभग 5 लाख वर्ग फुट पत्थर सप्लाई हुआ है, जो वहां पर राम मंदिर की परिक्रमा, वॉक वे, पार्किंग एरिया और कुबेर टीले में लग रहा है। बिजोलिया से अब तक 100 ट्रकों के माध्यम से 4 हजार टन से अधिक सैंड स्टोन राम मंदिर के लिए सप्लाई किया जा चुका है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान राम की कुल तीन मूर्तियों का निर्माण हुआ, उनमें से एक का निर्माण जयपुर के मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे ने किया है। उन्होंने सात महीनों में अयोध्या में रहकर इस मूर्ति को तैयार किया है। रामलला की यह मूर्ति मकराना के मार्बल पत्थर की है, जो 90 साल पहले खान से निकाला गया था और 40 साल से उनके पास पड़ा था।

निरंजन परिहार

अयोध्या राजस्थान से बहुत दूर है। प्रदेश की राजधानी जयपुर से कुल 708 किलोमीटर और गूगल मैप के अनुसार कार से 12 घंटे 36 मिनट दूर। लेकिन अयोध्या में बन रहे भगवान राम के मंदिर की वजह से राम, राजस्थान और अयोध्या का नाता बेहद नजदीक का हो गया है। राम मंदिर में लगे पत्थर राजस्थान से हैं, उन पत्थरों पर नक्काशी करने वाले कारीगर राजस्थान से हैं। खास बात यह है कि मंदिर उत्तर प्रदेश में बन रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा आर्थिक योगदान राजस्थान से अयोध्या पहुंचा है, तो आरती का घी व प्रसाद बनाने के लिए तेल भी राजस्थान से अयोध्या पहुंचा है। राम मंदिर से जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, सिरोही, आबूरोड़, दौसा और मकराणा का नाता बड़ा गहरा हो गया है।

अयोध्या के राम मंदिर की भव्यता में जो निखार दिख रहा है, उसमें राजस्थान के पत्थरों और कारीगरों का खास योगदान है। भरतपुर, जोधपुर, जयपुर, मकराणा व भीलवाड़ा सहित सिरोही जिलों का पत्थर राम मंदिर को बनाने में लगा है, व लगातार लगता जा रहा है।

दुनिया भर में संगमरमर पत्थर के लिए मशहूर राजस्थान के मकराणा का संगमरमर यानी सफेद मार्बल का इस्तेमाल राम मंदिर के लिए किया गया है। मंदिर के भूतल पर हजारों वर्गफीट में मार्बल लगाया गया है, जो मकराणा से अयोध्या गया है। सिरोही जिले के सोमपुरा कारीगरों द्वारा मंदिर में लगने वाले पत्थरों को तराशा गया है। बरसों बरसों तक सिरोही जिले के पिंडवाड़ा के आस पास के गांवों में सैंकड़ों सोमपुरा कारीगर मंदिर के स्तंभ तराशते रहे। यहां के सोमपुरा कारीगरों की नक्काशी कला बेमिसाल है। लगातार 25 साल तक लोग पत्थरों पर नक्काशी करते रहे, और पहली बार उनकी मेहनत से तराशे गए पत्थरों को 2019 में अयोध्या भेजने का काम शुरू हुआ।

अयोध्या से रामेश्वरम तक भगवान श्रीराम के वन गमन मार्ग पर श्रीराम स्तंभ लगाने की भी योजना है। लगभग 2500 किलोमीटर लंबे इस वन गमन मार्ग पर श्रीराम स्तंभ लगाने के लिए कुल 290 स्थानों को चिन्हित किया गया है। श्रीराम स्तंभों का निर्माण भी राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड में हो रहा है।

राम मंदिर के पास लगने वाला पहला श्रीराम स्तंभ अक्टूबर 2023 में ही आबूरोड से अयोध्या पहुंच गया है। जोधपुर के सूरसागर का छीत्तर पत्थर बहुत लोकप्रिय है, जोधपुर का भव्य महल उम्मेद भवन पैलेस भी उसी पत्थर से बना है। उन्हीं छीतर पत्थरों से राम मंदिर के सुंदर और विशाल 32 द्वार तैयार किए गए है। राजस्थान में दौसा जिले के सिकंदरा निवासी पत्थर पर नक्काशी करने वाले कारीगर साढ़े तीन साल से अयोध्या में काम कर रहे हैं। सिंकदरा में भी सिरोही जिले की तरह ही पिछले कई सालों से राम मंदिर निर्माण में लगने वाले झरोखों, तोरण द्वारों और स्तंभों पर नक्काशी का काम चल रहा था।

बंसी पहाड़पुर का नाम बहुत कम लोगों ने सुना होगा, लेकिन नागर शैली में बन रहे राम मंदिर के निर्माण में राजस्थान के कई इलाकों से पत्थर और अन्य सामग्री जा रही है, उसमें बंसी पहाड़पुर का पत्थर भी बेहद अहम है। मंदिर के दृश्य भाग में सतह से ऊपर बादामी रंग के जिन बलुआ पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है, वह राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना इलाके के बंसी पहाड़पुर की

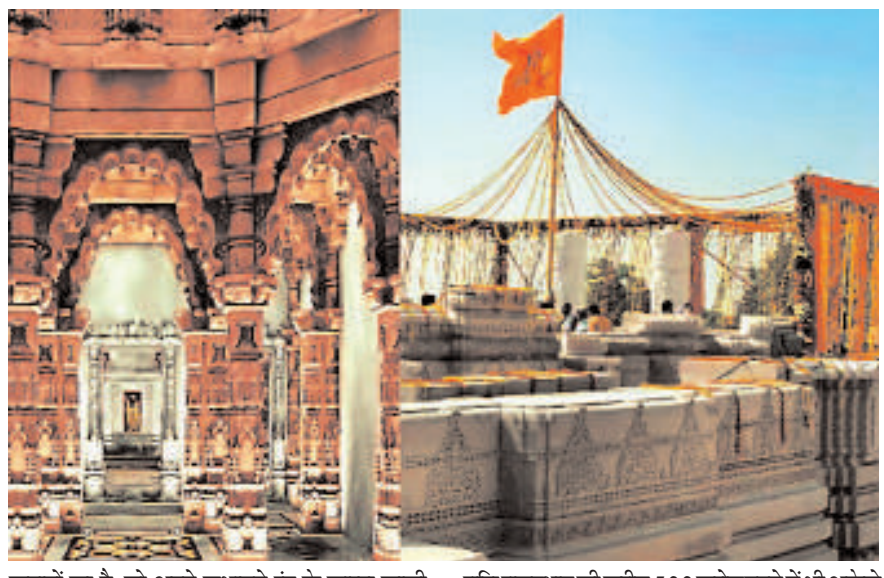

खदानों का है, जो अपने लुभावने रंग के कारण काफी आकर्षक है।

यहां से यह पत्थर पहले अवैध रूप से निकाला जा रहा था, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खबर मिली, तो वे नाराज हुए और अधिकारियों से पूछा कि पवित्र कार्य के लिए गलत काम क्यों? तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने 14 जून 2021 को अधिकारिक रूप से कहा कि प्रदेश के बंशी पहाड़पुर से अवैध खनन कर गुलाबी पत्थर राम मंदिर के लिए न भेजा जाए। गहलोत ने कहा कि हमने प्रयास करके यहां हो रहे पत्थर खनन के कार्य को भारत सरकार से लीगल तरीके से वैधता दिलवाई, जिसका हमें संतोष है।

रामलला के मंदिर में लगा हल्के लाल रंग का सेंड स्टोन राजस्थान से गया है। भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया के पास उपरमाल की खानों का पत्थर राम मंदिर में लगा है। बिजौलिया की 3 कंपनियों से राम मंदिर को लगभग 5 लाख वर्ग फुट पत्थर सप्लाई हुआ है, जो वहां पर राम मंदिर की परिक्रमा, वॉक वे, पार्किंग एरिया और कुबेर टीले में लग रहा है।

बिजोलिया से अब तक 100 ट्रकों के माध्यम से 4 हजार टन से अधिक सैंड स्टोन राम मंदिर के लिए सप्लाई किया जा चुका है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान राम की कुल तीन मूर्तियों का निर्माण हुआ, उनमें से एक का निर्माण जयपुर के मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे ने किया है। उन्होंने सात महीनों में अयोध्या में रहकर इस मूर्ति को तैयार किया है। रामलला की यह मूर्ति मकराना के मार्बल पत्थर की है, जो 90 साल पहले खान से निकाला गया था और 40 साल से उनके पास पड़ा था। हालांकि वह मूर्ति गर्भगृह में नहीं स्थापित होगी लेकिन उसे भी मंदिर में ही स्थापित किया जाएगा। किसी भी बड़े काम में बड़ी और मजबूत आर्थिक स्थिति सबसे पहली जरूरत होती है। राजस्थान के धर्मप्रेमियों ने इस अवधारणा को समझते हुए राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग देने में सबसे बड़ा योगदान दिया है। आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान की जनता ने राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग देने के मामले में उत्तर प्रदेश को भी पीछे छोड़ दिया है।

राम मंदिर निधि समर्पण अभियान में राजस्थान से 500 करोड़ रुपए से भी ज्यादा का सहयोग रहा है। यह अभियान पूरे देश में चला, जिसमें सबसे अधिक सहयोग राशि राजस्थान की करीब 500 करोड़ रुपये में भी अकेले जोधपुर शहर से सर्वाधिक 214 करोड़ रुपये दान मिला है। जोधपुर के एक भिखारी ने 7 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग राम मंदिर के लिए दिया था। चंदा जमा करनेवाले कार्यकर्ताओं ने उसकी हालत देखकर मना किया, तो भी उसने जबरदस्ती दिया।

इसी तरह से अस्पताल में भर्ती एक बीमार महिला ने रामलला के लिए अपने गहने और जेवर दान करने की भावना जताई, लेकिन उसे भी मना कर दिया गया। बाद में उस महिला की मृत्यु हो गई, तो उसके परिवार जनों ने वह ज्वेलरी विश्व हिंदू परिषद को भेंट की। राजस्थान में घर घर जाकर चंदा जुटाया गया था, जिसमें लोगों ने अपार उत्साह के साथ बहुत बढ़-चढ़ कर सहयोग दिया। राजस्थान के बाद उत्तर प्रदेश सहयोग राशि देने में दूसरे नंबर पर रहा है, जहां से राम मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान में करीब 200 करोड़ रुपए की राशि एकत्रित हुई है। इसी तरह से राम मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव के विभिन्न आयोजनों में भी अपने सहयोग के लिए लोग बेहद उत्साहित होकर आगे आ रहे हैं। प्रतिष्ठा महोत्सव में आने वाले लोगों के लिए भोजन व प्रसाद बनाने हेतु राजस्थान से 2100 डिब्बे तेल भेजा जा रहा है, यह तेल वहां सीता रसोई में भोजन व प्रसाद के लिए लगेगा।

जोधपुर से घी एवं हवन सामग्री भी बैलगाड़ी के माध्यम से अयोध्या पहुंची है, जिसका उपयोग राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा में किया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा से पहले जो हवन, यज्ञ, दीप, आरती और अन्य प्रज्वलित पवित्र कार्य चल रहे हैं, उनमें इस्तेमाल होने के लिए सैकड़ों किलो देसी घी भी राजस्थान से गया है। यह देसी घी उन गायों के दूध से बना है, जिनको गौ तस्करों से बचाकर कत्लखानों में कटने जाने से रोका गया तथा गौशालाओं में रखा गया था। राम मंदिर की पहली आरती भी उसी घी से होगी।

इसी तरह मेंहदीपुर बालाजी मंदिर की ओर से 1 लाख 51 हजार प्रसाद के डिब्बे अयोध्या पहुंच रहे हैं जो प्रसाद स्वरूप आनेवाले सभी भक्तों को वितरित किये जाएंगे। कंबल और रामनाम का एक लाख पटका भी मेंहदीपुर बालाजी मंदिर की ओर से अयोध्या में वितरित किये जाएंगे जो राम के अनन्य सेवक मेंहदीपुर वाले हनुमानजी की ओर से एक प्रेमपूर्वक भेंट होगी।

राजनीति और धर्म का संगम है भारत...

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक वायदा है जिसे पूरा करने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी लेने को तैयार हैं। हालांकि मंदिर के रूप में देशभर में ''राम राज्य'' की प्राप्ति का अनुमान नहीं लगाया गया है। इसके बजाय इसका प्राथमिक परिणाम आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की राजनीतिक जीत होने की उम्मीद है। द इकोनॉमिस्ट ने खुलासा किया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 के मतदाताओं के सर्वेक्षण से पता चला है कि 74 प्रतिशत मतदाताओं ने मुद्रास्फीति और विकास को अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में माना जबकि केवल 40 प्रतिशत ने राम मंदिर को समान महत्व दिया।

-हरि जयसिंह

भारत एक बहुआयामी सामाजिक और धार्मिक राज्य व्यवस्था है जिसमें आध्यात्मिक पहलू और भौतिकवाद की लालसा है। इस जटिल परिवेश में, कोई भी भारत के भविष्य के बारे में कभी भी आश्वस्त नहीं हो सकता।

भारत एक बहुआयामी सामाजिक और धार्मिक राज्य व्यवस्था है जिसमें आध्यात्मिक पहलू और भौतिकवाद की लालसा है। इस जटिल परिवेश में, कोई भी भारत के भविष्य के बारे में कभी भी आश्वस्त नहीं हो सकता। राजनीति और धार्मिक उत्साह आपस में मिल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद को राजनीतिक-धार्मिक जगतगुरु के रूप में स्थापित करने के लिए अपना राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। वह अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे या नहीं, इसकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा स्पष्ट है क्योंकि वह 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राममंदिर का उद्घाटन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनसे अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह करने की भी उम्मीद है।

भाजपा इस समारोह को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में जोर-शोर से प्रचारित कर रही है। उस दिन अयोध्या में 2 लाख से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की

संभावना है। इस कार्यक्रम को देशभर में विश्व स्तर पर भारतीय दूतावासों में और न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में एक प्रायोजित स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जाने की भी उम्मीद है। यह समझ में आता है क्योंकि हिन्दू विश्व स्तर पर दिखाई देने वाला समुदाय है। मंदिर के लिए दान दुनिया का सबसे बड़ा दान होने का अनुमान है। निर्माण की देखरेख करने वाले ट्रस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इसके 4 ट्रिलियन रुपए (48 मिलियन अमरीकी डॉलर) को पार करने की उम्मीद है।

नेपाल से फलों की टोकरियां और दुनिया की सबसे विशाल अगरबत्ती, जिसकी ऊंचाई 108 फुट है और जो 1470 किलोग्राम गाय के गोबर, 190 किलोग्राम घी और 420 किलोग्राम जड़ी-बूटियों से बनी है, सहित कई उपहार आ रहे हैं। द्वारिका (गुजरात), जोशी मठ (उत्तराखंड), पुरी (ओडिशा) और शृंगेरी (कर्नाटक) स्थित 4 हिन्दू मठों के शंकराचार्य राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल नहीं होंगे। माना जाता है कि ये मठ आठवीं शताब्दी के धार्मिक विद्वान और दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित किए गए थे, जो हिन्दू धर्म के भीतर आध्यात्मिक और धार्मिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हालांकि द्वारिका और शृंगेरी के शंकराचार्यों ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है लेकिन पुरी मठ के शंकराचार्य अपने निर्णय के बारे में मुखर रहे हैं। शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ओडिशा के जगन्नाथपुरी में पूर्वाम्नाय गोवर्द्धन मठ पीठ के 145वें शंकराचार्य ने हाल ही में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने से इंकार कर दिया है। राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में उनकी आपत्ति का कारण उनका यह मानना है कि यह आयोजन राजनीतिक हो गया है। राम मंदिर उद्घाटन का निमंत्रण मिलने पर निश्चलानंद सरस्वती ने चिंता व्यक्त की कि यह समारोह एक राजनीतिक तमाशे में बदल गया है।

उन्होंने कहा, ''देश के प्रधानमंत्री गर्भगृह में रहेंगे, मूर्ति को छुएंगे और प्राण प्रतिष्ठा समारोह करेंगे। इसे राजनीतिक रूप दे दिया गया है। अगर भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होती है तो शास्त्रों के रीति-रिवाजों से होनी चाहिए। मैं इसका विरोध नहीं करूंगा और न ही इसमें शामिल होऊंगा। मैंने अपना रुख अख्तियार कर लिया है। आइए आधे सच और आधे झूठ को न मिलाएं। हर चीज को शास्त्रीय ज्ञान के अनुरूप होना चाहिए।''

उत्तराखंड में ज्योति मठ पीठ की अध्यक्षता करने वाले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर समारोह में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। वह बताते हैं कि मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की जीत का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उनके अनुसार अयोध्या में पहले से ही एक राम मंदिर था और मंदिर का निर्माण धर्म के लिए कोई उपहार या विजय नहीं है। मंदिर निर्माण दशकों से एक विवादास्पद मुद्दा रहा है, जिसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व है जबकि कई हिन्दू इसे सांस्कृतिक और धार्मिक पुनरुत्थान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। अन्य लोग बहिष्कार और विभाजन की संभावना के बारे में चिंता जताते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक वायदा है जिसे पूरा करने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी लेने को तैयार हैं। हालांकि मंदिर के रूप में देशभर में ''राम राज्य'' की प्राप्ति का अनुमान नहीं लगाया गया है। इसके बजाय इसका प्राथमिक परिणाम आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की राजनीतिक जीत होने की उम्मीद है। द इकोनॉमिस्ट ने खुलासा किया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 के मतदाताओं के सर्वेक्षण से पता चला है कि 74 प्रतिशत मतदाताओं ने मुद्रास्फीति और विकास को अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में माना जबकि केवल 40 प्रतिशत ने राम मंदिर को समान महत्व दिया। यदि मोदी इन आर्थिक मुद्दों को निर्णायक रूप से संबोधित करते हैं तो उनके पास महत्वपूर्ण सफलता की संभावना है। दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी के लिए व्यापक आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने की तुलना में मंदिर बनाना आसान प्रतीत होता है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी कंपनी सेल के दो बोर्ड मेंबर्स और 26 वरिष्ठतम अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के दो बोर्ड मेंबर्स सहित 26 सीनियर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय ने अपने 19 जनवरी, 2024 के दिनांकित पत्र जरिये सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) वीएस चक्रवर्थी और सेल के निदेशक वित्त एके तुल्सीआनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय के निर्देशों का पालन करते हुए, सेल ने कंपनी के बोर्ड स्तर से नीचे के 26 अधिकारियों को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह मामला लोकपाल के निर्देशानुसार की जा रही कुछ जांचों से संबंधित है। इस मामले पर सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा, कंपनी का कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है और इससे कंपनी के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हम कॉर्पोरेट प्रशासन और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। सेल गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्योग में मजबूती से खड़ा है।

बजट में होम लोन पर मूलधन, ब्याज पर कर छूट सीमा बढ़ाए सरकार : क्रेडाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट नियामक क्रेडाई ने आवासीय संपत्तियों की मांग को बढ़ावा देने के लिए बजट से पहले सरकार से आवास ऋण पर मूल राशि के साथ-साथ ब्याज भुगतान पर कर छूट सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने की भी मांग की है। क्रेडाई ने आवास ऋण के मूलधन के पुनर्भुगतान के लिए धारा 80 सी के तहत कटौती की मौजूदा सीमा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाने की मांग की है। वैकल्पिक रूप से, यह सुझाव दिया गया कि आवास ऋण के मूल पुनर्भुगतान के लिए कटौती को एक अलग या एकल छूट के लिए माना जाना चाहिए। इसके अलावा, क्रेडाई ने कहा कि किफायती आवास की परिभाषा 2017 में दी गई थी और तब से अभी तक नहीं बदली है। इसके अनुसार, किफायती आवास अधिकतम 45 लाख रुपए का होता है। क्रेडाई का कहना है, केवल मुद्रास्फीति के कारण पिछले सात साल में रियल एस्टेट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में जून 2018 से आवास दरों में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे डेवलपर्स के लिए 45 लाख रुपए की मौजूदा सीमा का पालन करना बेहद असंभव हो गया है।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में मालामाल कपने वाला शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 टुकड़ों में किया जाएगा। कंपनी इसी हफ्ते में एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगा। शनिवार को कंपनी के शेयरों में एक बार फिर अपर सर्किट लग गया है। बता दें, शनिवार को कंपनी के शेयर का भाव 1755.95 रुपये पर है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में टूटने जा रहा है। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 25 जनवरी 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस शेयरों का बंटवारा 10 दिन में हो जाएगा। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 50 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 22 अगस्त 2023 से अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 1361 प्रतिशत तक बढ़ा है। शेयर बाजार में कंपनी का 52 वीक हाई 1755.95 रुपये और 52 वीक लो लेवल 120.17 करोड़ रुपये है।

राम मंदिर से यूपी को होगी 25,000 करोड़ रुपये की कमाई

▶▶ 2024 में यूपी में टूरिस्ट स्पेंडिंग करीब दोगुना होने का अनुमान ▶▶ साल 2022 में अयोध्या में रेकॉर्ड 2.21 करोड़ पर्यटक आए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार 22 जनवरी को होने जा रही है। अयोध्या में राम मंदिर के पूरे होने और उत्तर प्रदेश सरकार के टूरिज्म को बढ़ाने के लिए उठाए गए दूसरे कदमों से फाइनेंशियल ईयर 2025 में राज्य को 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होने का अनुमान है। एसबीआई के रिसर्चर्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2024 में उसका टैक्स रेवेन्यू 2.5 लाख करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद है। एसबीआई के रिसर्चर्स के मुताबिक साल 2022 की तुलना में वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में टूरिस्ट स्पेंडिंग यानी पर्यटकों द्वारा किया गया खर्च करीब दोगुना होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या में राम मंदिर का काम पूरा होने और उत्तर प्रदेश सरकार के टूरिज्म को बढ़ाने के लिए उठाए गए दूसरे कदमों से इस साल के अंत तक राज्य में टूरिस्ट स्पेंडिंग चार लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच सकता है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों ने 2.2 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे जबकि विदेशी पर्यटकों ने 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे। साल 2022 में 32 करोड़ घरेलू पर्यटक उत्तर प्रदेश आए जो उससे पिछले साल की तुलना में करीब 200 प्रतिशत अधिक हैं। अयोध्या में 2022 में रेकॉर्ड 2.21 करोड़ पर्यटक आए। राम मंदिर का उद्घाटन होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है।

यूपी की तारीफ

एसबीआई रिपोर्ट में आर्थिक और सामाजिक-आर्थिक मानकों पर उत्तर प्रदेश के प्रयासों की सराहना की गई है। इनमें महिला श्रम बल की हिस्सेदारी और इनोवेशन तथा एक्सपोर्ट में तेजी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइनेंशियल ईयर 2028 में भारत की इकॉनमी पांच ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच जाएगी और उत्तर प्रदेश की जीडीपी 500 अरब डॉलर को पार कर जाएगी। फाइनेंशियल ईयर 2024 में उत्तर प्रदेश का स्टेट जीडीपी 24.4 लाख करोड़ रुपये यानी 298 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2028 तक देश की जीडीपी में वेटेज के मामले में यूपी दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा और इसकी जीडीपी नॉर्वे के ऊपर पहुंच जाएगी।

Standardised norms in offing to check AI systems, robustness

The government is working on devising a standardised set of norms for AI (artificial intelligence) systems and their response in times of crisis or breakdown of systems in sectors like connected cars, drones, Metaverse, satellite broadband and healthcare.

Once the norms are devised, companies deploying AI technologies would be rated on various parameters like the time taken to restore the system in the event of any hacking, malware or breakdown.

Official sources said initially firms might be asked to self-certify their systems and provide ratings.

A standardised set of norms is required since AI technology is gradually being used in almost all sectors that have consumer interface and there is always a danger of systems getting hacked and providing erroneous results, causing harm to users. For instance, driverless cars depend on real-time decision-making like identifying traffic signals, when to stop, when to start, etc. Similarly, automated car parkings are heavily dependent on AI connectivity. Several systems connected to telecom networks, if hacked, can throw all operations out of gear. In such scenarios, there is a need for uniform standards to assess the time taken for recovery and arrangements needed in the interim.

टाटा स्टील करने वाली है दो ब्लास्ट फर्नेस बंद, 2800 लोगों की जाएगी नौकरी

लंदन, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील का स्टील प्लांट यूनाइटेड किंगडम या ग्रेट ब्रिटेन में भी है। स्टील बनाने वाली इस कंपनी ने ब्रिटेन के साउथ वेल्स में पोर्ट टैलबोट प्लांट में अपने दो ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने का फैसला किया है। टाटा स्टील ने कहा कि वह ये कदम अपने ऑपरेशन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के प्रयास के तहत उठा रही है। हालांकि, इस प्रयास में वहां काम कर रहे 2,800 लोगों की नौकरियां जाएंगी।

क्यों लिया गया यह फैसला

कंपनी ने कहा, इस योजना का उद्देश्य एक दशक से अधिक के नुकसान को दूर करना और पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस से अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल इस्पात व्यवसाय में परिवर्तन करना है। कंपनी पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस की जगह आधुनिक तकनीक वाले इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस लगाएगी। बयान में बताया गया है कि इस परिवर्तन से ब्रिटेन में कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष 50 लाख टन की कमी आएगी। साथ ही कंपनी के उत्पाद पर्यावरण के नजरिये से सुरक्षित होंगे। टाटा स्टील की योजना उत्सर्जन और लागत को कम करने की है। इस योजना के तहत संयंत्र में दो ब्लास्ट फर्नेस को इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस से बदल देगी। हालांकि, पोर्ट टैलबोट प्लांट में दोनों ब्लास्ट फर्नेस के बंद होने के साथ कोकिंग ओवन और स्टील शॉप जैसी यूनिट्स भी बंद हो जाएंगी। स्टील प्लांट को समझने वाले जानते हैं कि कोक ओवन बैटरी प्लांट से कितना कार्बन उत्सर्जन होता है। साथ ही इस प्लांट में मजदूरों की भी ज्यादा आवश्यकता पड़ती है। इसके उलट इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में कोक की जरूरत ही नहीं पड़ती है।

वहां काम करने वालों का क्या होगा

टाटा स्टील ने कहा है कि इस फैसले से वहां काम करने वाले 2,800 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। इनमें से लगभग 2,500 पद अगले 18 महीनों में प्रभावित होंगे। कंपनी ने बयान में कहा है कि वह प्रस्तावित पुनर्गठन योजना और प्रभावित कर्मचारियों के लिए सहायता व्यवस्था पर वैधानिक परामर्श शुरू करेगी।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 23.6 प्रतिशत बढ़कर 10272 करोड़ रुपये हुआ, तीसरी तिमाही के नतीजे जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए। इन नतीजों के अनुसार बैंक का टैक्स के बाद लाभ सालाना आधार पर 23.6 प्रतिशत बढ़कर 10,272 करोड़ हो गया है, जो जानकारों की ओर से लगाए गए अनुमान 9,981 करोड़ रुपये से अधिक है।

बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही के 16,465 करोड़ से सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 18,678 करोड़ हो गई। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक का नेट इंट्रेस्ट मार्जिन 4.43 प्रतिशत रहा। इसी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 4.53 प्रतिशत जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में यह 4.65 प्रतिशत था।

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा भी बढ़ा : आईडीबीआई बैंक लिमिटेड ने भी शनिवार को दिसंबर में समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए। इसके अनुसार बैंक के शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 57.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,458.20 करोड़ रुपये हो गया।

कोटक महिंद्रा बैंक एनसीडी के जरिए जुटाएगी 10,000 करोड़

निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को बताया कि उसके निदेशक मंडल ने एनसीडी के जरिये 10,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने को मंजूरी दे दी है। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक के निदेशक मंडल ने 10,000 करोड़ रुपये तक के असुरक्षित, भुनाने योग्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के रूप निजी नियोजन के आधार पर धन जुटाने की मंजूरी दी है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद कहा कि एनसीडी वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एक या अधिक किस्तों में जारी किए जाएंगे, जो शेयरधारकों और अन्य मंजूरियों के अधीन होगा।

सिर्फ शून्य उत्सर्जन कारें ही वायु प्रदूषण घटाने, तेल आयात कम करने में मददगार: टाटा मोटर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं। उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती।

चंद्रा ने कहा, ''सरकार पहले से ही कम कराधान के जरिए हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है और इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के समान लाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कारों की तुलना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से नहीं की जा सकती क्योंकि वे अनिवार्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले 'जीवाश्म ईंधन पर चलती हैं। चंद्रा ने कहा कि ईवी की तुलना में हाइब्रिड को 'अनावश्यक दर्जा देने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हालांकि ईवी को समर्थन देने के मामले में बहुत सहयोगी और दृढ़ रही है। देश में हाइब्रिड वाहनों पर कुल कर 43 प्रतिशत है, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है। वहीं बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगभग पांच प्रतिशत कर लगता है।

टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी घरेलू वाहन कंपनियां बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जबकि टोयोटा, सुजुकी और होंडा जैसे जापानी वाहन विनिर्माता घरेलू बाजार में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर दांव लगा रहे हैं। चंद्रा ने कहा, ''हाइब्रिड वास्तव में एक जीवाश्म ईंधन वाहन है जिसे ईवी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि यह एक मोटर और एक छोटे बैटरी पैक का उपयोग करती है। मूलतः यह ऊर्जा स्रोत के रूप में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती है। उन्होंने आगे कहा, ''जीवाश्म ईंधन आधारित प्रौद्योगिकी के लिए एक अलग व्यवहार क्यों होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य लक्ष्य को पाने में वाहन उद्योग सिर्फ शुद्ध शून्य-उत्सर्जन प्रौद्योगिकी के जरिये समर्थन दे सकता है। चंद्रा ने कहा, ''हमें (ईवी निर्माताओं को) समर्थन की आवश्यकता है, जो प्रौद्योगिकी की बहुत ऊंची लागत की वजह से दिया जा रहा है। इसके अलावा आपूर्ति के लिए पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र और चार्जिंग ढांचे की कमी है। हमें लंबा रास्ता तय करने के लिए इनका विकास करने की जरूरत है। चंद्रा ने कहा कि राजस्थान और गुजरात में उसके लगभग 45-50 प्रतिशत ईवी ग्राहक अपनी कारों को चार्ज करने के लिए छत पर सौर इकाइयों का उपयोग कर रहे हैं। इस प्रकार वे ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग कर रहे हैं।

18 साल की उम्र में छोड़ा कॉलेज, सड़कों पर बेचे सिम कार्ड, आज हैं 8000 करोड़ की कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर खुद पर भरोसा हो और कुछ कर गुजरने का जज्बा तो बड़ी से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। कहते हैं किस्मत भी उनपर मेहरबान होती है, जिनके हौसलों में जान होती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है हॉस्पिटैलिटी चेन ओयो रूम्स के फाउंडर रितेश अग्रवाल ने। महज कुछ साल पहले तक दिल्ली की सड़कों पर सिम कार्ड बेचने वाला एक लड़का आज दुनिया के सबसे यंग बिलेनियर की लिस्ट में शामिल है। रितेश ने अपनी मेहनत और लगन से जो किया वह आज सबके सामने है। आज दुनिया के 80 देशों के 800 शहरों में रितेश का होटल कारोबार है और छोटी-सी उम्र में 8000 करोड़ों की कंपनी के मालिक बन चुके हैं। आईए आपको बताते हैं रितेश ने जिंदगी में इतनी सफलता कैसे हासिल की।

रितेश अग्रवाल का जन्म 16 नवंबर 1993 को उड़ीसा के कटक के बिसम में साधारण मारवाड़ी परिवार में हुआ था। रितेश

के माता - पिता चाहते थे कि उनका बेटा अच्छी एजुकेशन हासिल करे। लेकिन अपने माता-पिता के सपने के उलट रितेश एंटरप्रेन्योर बनाने का सपना देख रहे थे। रितेश आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली चले गए। दिल्ली में रितेश ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस अकादमी में एडमिशन लिया, लेकिन उनके दिमाग में कुछ और ही चल रहा था और उन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। घरवालों ने आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी के लिए कोटा भेजा, लेकिन रितेश का मन वहां नहीं लगता था। रितेश ने साल 2012 में ओरावेल स्टेज नाम का स्टार्टअप शुरू कर दिया। लेकिन ये काम उनका नहीं चला। इसमें भारी नुकसान हुआ। वो लौटकर दिल्ली आ गए। उनके पास पैसे बचे नहीं थे। जेब में सिर्फ 30 रुपये बचे थे। बिजनेस का भूत तो पहले से ही सवार था, इसलिए जब कुछ नहीं सूझा तो सड़कों पर घूम-घूम कर सिम कार्ड बेचने लगे।

ऐसे की ओयो की शुरुआत

रितेश को शुरु से ही घूमने का काफी ज्यादा शौक था। उन्हें जब भी पढ़ाई से समय मिलता वो घूमने के लिए निकल जाते थे। साल 2009 में रितेश देहरादून और मसूरी गए। रितेश वहां की सुंदरता देख कर मंत्रमुग्ध हो गए। रितेश ने यहां पहुंचकर महसूस किया कि देश में ऐसी कई बेहद ही खूबसूरत जगहें हैं,जिनसे लोग अनजान हैं। उन्हें लगा कि लोगों को ऐसी जगहों के बारे में बताना चाहिए। इसके बाद रितेश ने एक ऑनलाइन सोशल कम्युनिटी बनाने का विचार किया। जहां एक ही प्लेटफार्म पर हर तरह की सुविधाए लोगों को किफायती दाम पर मुहैया करवाई जा सके। जिससे लोगों को आसानी हो और वो नई जगहों पर भी घूम सकें। यहीं से रितेश को अपने भविष्य का बिज़नेस मिल गया था।

साल 2013 में रितेश को थिएल फेलोशिप के लिए चुना गया, जिससे उन्हें करीब 75 लाख रुपए मिलने थे। उन्होंने इन्हीं पैसों से ओयो रूम्स की शुरूआत कर दी। इससे पहले उन्होंने लंबा रिसर्च किया। अपनी कंपनी का नाम उन्होंने ओरेवल स्टे रखा। इस प्लेटफॉर्म की मदद से वो किफायती दरों पर, आसानी से होटल बुकिंग की सुविधा उपलब्ध करवाते थे। रितेश अग्रवाल की संपत्ति की बात करें तो उनका नेटवर्थ 1.1 अरब डॉलर यानी करीब 7253 करोड़ रुपये है। ओयों की गिनती तेजी से बढ़ते बिजनस में हो रही है। देश के अलावा विदेशों में इसका नेटवर्थ फैल रहा है।

केंट आरओ सिस्टम्स अमेरिकी बाजार में उतरेगी, तीन साल में 2,000 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स का इरादा अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने का है। कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक महेश गुप्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक नई पंखा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 300 करोड़ रुपए का और निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जो पहले वॉटर प्यूरीफायर के लिए जानी जाती थी, अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और उपकरण खंड, विशेष रूप से छोटे रसोई उपकरणों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। गुप्ता ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कंपनी के राजस्व में नई श्रेणियों का योगदान आधा हो जाएगा। अमेरिकी बाजार में अपने प्रवेश पर उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने ब्लैक एंड डेकर के साथ एक ब्रांड लाइसेंसिंग करार किया है। इसके तहत वह मेरीलैंड, अमेरिका की विनिर्माता के ब्रांड नाम पर आधारित अपने वॉटर प्यूरीफायर की श्रृंखला का निर्माण करेगी और उन्हें अमेरिकी बाजार में भेजेगी। गुप्ता ने कहा, ''हम अमेरिकी बाजार में जाएंगे। हमने ब्लैक एंड डेकर के साथ लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंट आरओ सिस्टम्स भारत में ब्लैक एंड डेकर ब्रांड के तहत अपने वॉटर प्यूरीफायर का निर्माण करेगी और अमेरिकी बाजार में भेजेगी। कंपनी अगले छह माह में अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी। कंपनी ने अगले तीन साल में अपने निर्यात को तीन गुना कर 200 करोड़ रुपए पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

'श्रीरामदर्शन'

पट खुले नैन अपने खोलो,
श्रीराम लला की जय बोलो।

प्रभु दर्श दिखाने आए हैं,
दुख-दर्द मिटाने आए हैं।
पैदल ही जो पथ-गमन करें,
उनके उर राम समाए हैं।
यूँ व्यर्थ न आँगन में डोलो,
श्रीराम लला की जय बोलो।।

जिस द्वारे बानर घूम रहे,
भालू जाकर दर चूम रहे।
फैलाए पंख जटायु यहाँ,
हो मगन राम में झूम रहे।
जागो तुम दर्श लाभ लेलो।
श्रीराम लला की जय बोलो।।

मोहक सरयूजी का तट है,
साधू-संतों का जमघट है।
भक्ति की यहाँ अभिव्यक्ति है,
बस राम नाम की ही रट है।
संग-संग इनके तुम भी होलो।
श्रीराम लला की जय बोलो ।।

छलकी तारों की गगरी है,
लो सजी अयोध्या नगरी है।
अँगना दीपों की माल बनी,
मुख्य द्वारे पर फुलवारी है।
भक्ति रंग आ उर में घोलो,
श्रीराम लला की जय बोलो।।

रतनसिंह हरदा।

देखो कैसी अयोध्या सज गई

राम नाम की धुन हर एक के मन में बस गई।
बरसों से कर रहे थे जिस पल का इंतजार,
राम की कृपा से वह दिन भी आ गया।

हमने देखी सुनी मस्जिद से मंदिर के सफर की कहानी,
उस दर्द को शब्दों में बयां करना शायद गुस्ताखी हमारी।
पर आम से राम बनाने का सफर भी तो आसान न था,
काटों से भरा सफर तो उस युग में राम ने भी सहा था।

उस युग में भी राम गुजरे थे नियति के खेलों से,
अग्नि परीक्षा भले ही सीता की थी, पर जले तो राम ही थे,
कभी पिता के वचनों से तो कभी रघुकुल की मर्यादा से,
कभी लोक कल्याण के कर्तव्य से, तो कभी पत्नी की विरह में,
जले तो राम ही थे, तभी तो आम से श्री राम वो बने थे।

संयोग देखो कैसा फिर कलयुग में हुआ,
जो सर्वस्व रहें, उनको तंबू मिला।
परिचय को उनके केवल आभास मिला।
पाँच सदीओं के षड्यंत्रों के चक्रों से,
दशरथ नंदन को फिर से वनवास मिला।

बरसो के इंतजार के बाद आज
आस्था ने परिणाम पाया है।
राम आगमन के सुख से अब छलक उठें,
वर्षों से जो भाव हृदय में संचित है।

करता स्वागत आज भारत का हर एक वासी,
अवध में प्रकट हुए श्री राम,
निभाने रघुवर-रघुकुल रीत,पधारे जन्मभूमि भगवान,
स्वागत है, स्वागत है, विराजेंगे सिंहासन में प्रभु राम।।

- सुविता सकुनिया खंडेलवाल , कोलकाता

जन्मभूमि निर्माण के कालखंड में हमारा भावसंसार

प्रवीण गुगनानी

(विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार, राजभाषा)

हम कितने भाग्यशाली हैं!! हम बाबा तुलसी की इस हर्षित अभिव्यक्ति में समूचे प्रकट हो रहे पा हैं। भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध के पश्चात अयोध्या लौटने का यह तुलसी रचित दृश्य वृतांत, आज के हम भारतीयों जैसा ही है। हम भी तो श्रीराम के अंश हैं! हम बाबरी विध्वंस में सफल हुए हैं और उसके पश्चात भव्य मंदिर निर्माण पूर्ण कर उसमें रामलला को विराजित करने के अपने लक्ष्य में सफल हो गये हैं। हम इन पलों में, इन दिनों में, इतिहास के इस अनुपम कालखंड में श्रीराम के अयोध्या लौटने के अध्याय को पूर्णतः, अद्यतन रूप से, उसकी पूर्णता से व जीवंतता से जी पा रहे हैं।

सुमन बृष्टि नभ संकुल भवन चले सुखकंद।
चढ़ी अटारिन्ह देखहिं नगर नारि नर बृंद।।

श्रीराम जन्मभूमि के भव्य निर्माण व उसके लोकार्पण को केवल मंदिर निर्माण व लोकार्पण का अवसर मात्र कहना, भारत को कतई व्यक्त नहीं कर पाएगा। इस जन्मभूमि निर्माण और उसकी भूमिका के श्रीवर्द्धन वृतांत को हम बाबा तुलसी के शब्दों में श्रीराम का अयोध्या आगमन कहें तब संभवतः यह अवसर भारतीय जान के भावसंसार को अंशतः ही प्रकट कर पाएगा। गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं -

भगवान श्री रामचन्द्र जी अपने महल की ओर जा रहे है। आकाश फूलों की वृष्टि से भर गया। नगर के स्त्री-पुरुषों के समूह अपने अपने घरों की छत पर खड़े होकर उनके दर्शन कर रहे हैं।

कंचन कलस बिचित्र संवारे। सबहिं धरे सजि निज निज द्वारे।
बंदनवार पताका केतू। सबन्हि बनाए मंगल हेतू।%

अर्थात सोने के कलशों को सब भारत वासियों ने अपने-अपने दरवाजों पर सजा दिया है। द्वार पर बंदनवार, पताकाएँ और श्रीचिह्न सज गये हैं।

हम कितने भाग्यशाली हैं!! हम बाबा तुलसी की इस हर्षित अभिव्यक्ति में समूचे प्रकट हो रहे पा हैं। भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध के पश्चात अयोध्या लौटने का यह तुलसी रचित दृश्य वृतांत, आज के हम भारतीयों जैसा ही है। हम भी तो श्रीराम के अंश हैं! हम बाबरी विध्वंस में सफल हुए हैं और उसके पश्चात भव्य मंदिर निर्माण पूर्ण कर उसमें रामलला को विराजित करने के अपने लक्ष्य में सफल हो गये हैं। हम इन पलों में, इन दिनों में, इतिहास के इस अनुपम कालखंड में श्रीराम के अयोध्या लौटने के अध्याय को पूर्णतः, अद्यतन रूप से, उसकी पूर्णता से व जीवंतता से जी पा रहे हैं।

जन्मभूमि मंदिर निर्माण व लोकार्पण के इस कालखंड के भावसंसार की चर्चा करें तो हमें विदेशियों के व्यंग्यों व उपालंभों की भी तनिक सी चर्चा करके हमारे मूर्छा, बेहोशी या मतिभ्रम के कालखंड का स्मरण करना ही चाहिये। वस्तुतः वर्ष पंद्रह सौ अट्ठाईस से लेकर वर्तमान के वर्ष दो हज़ार तेईस तक हम मतिभ्रम के कालखंड में ही तो थे।

इस मतिभ्रम व विभ्रम के कालखंड में हम जैसे मेघनाथ के शक्ति बाण से मूर्छित होकर युद्धभूमि में बेसुध पड़े लक्ष्मण ही तो थे।

तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत।
अस कहि आयसु पाइ पद बंदि चलेउ हनुमंत।। भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार। मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवनकुमार।।

लक्ष्मण के मूर्छित होने के बाद भगवान श्री राम अपने अनुज की दशा देखकर विलाप कर रहे थे। संजीवनी लेने गए हनुमंत की लौटते समय, अयोध्या में भरत से भेंट हो गई। हनुमान जी ने वैद्य सुषेण की औषधि की पहचान नहीं कर पाने के कारण समूचा पर्वत ही अपने कांधों पर उठाकर ले आया था।

श्रीराम कृपा से हम भारतीय, जो, भैया लक्ष्मण की भांति मूर्च्छित अवस्था में पड़े थे, हनुमंत में परिवर्तित हो गये हैं। अब हम मेघनाथ के शक्ति बाण का निवारण भी करते हैं और रावण की लंका में जाकर उसका विध्वंस करके विजय श्री का वरण भी करने लगे हैं। हम हमारी व्यवस्था जन्य परतंत्रता से ही मुक्त नहीं होते हैं अपितु सांस्कृतिक परतंत्रता का भी निवारण कर पाने में समर्थ हो गये हैं। श्रीराम जन्मभूमि का भव्य निर्माण हमारी सांस्कृतिक परतंत्रता की समाप्ति का एक महत्वपूर्ण अध्याय ही है।

मुग़ल आक्रांता औरंगज़ेब द्वारा काशी, मथुरा का विध्वंस करना हो या अन्य हज़ारों मंदिरों को नष्ट भ्रष्ट करके वहां अपनी मस्जिदों के निर्माण की घटनाएं हों, ये सभी हमारी मूर्च्छा के प्रतीक ही तो थे।

लंदन स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल हिस्ट्री के प्रोफ़ेसर व इतिहासकार अर्नाल्ड जे. टॉयनबी ने वर्ष 1960 के अपने भारत प्रवास के मध्य हम भारतीयों को उलाहना व उपालंभ देते हुए कहा था - ÷आपने बड़े अपमान के बाद भी औरंगजेब द्वारा अपने देश में बनवाई गई मस्जिदों को संरक्षित व सुरक्षित रखा है।÷ जब उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में रूस ने पोलैंड पर कब्ज़ा कर लिया, तो उन्होंने वहां अपनी विजय की स्मृति में वारसॉ के मध्य में एक रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च का निर्माण किया। प्रथम विश्व युद्ध के बाद जब पोलैंड को स्वतंत्रता मिली, तो उसने सबसे पहला काम रूस द्वारा निर्मित चर्च को ध्वस्त कर दिया और रूसी प्रभुत्व के प्रतीक को खत्म कर दिया, क्योंकि यह इमारत वहां के लोगों को उनके अपमान की निरंतर याद दिलाती थी। हम भारतीय आज अर्नाल्ड जे. टायनबी के उस उपालंभ, उस व्यंग्योक्ति से मुक्त हो गये हैं। हम सांस्कृतिक रूप से जागृत हो गये हैं।

ऐसा भी क़तई नहीं हैं कि, हम और हमारा भारत विगत सात सौ वर्षों में विशुद्ध मूर्च्छावस्था में ही थे। हमारे भारतीय जनमानस के इस दिशा में प्रयास सतत-निरंतर चल बढ़ रहे थे। हमारा सामाजिक जगत, साहित्यिक जगत, सांस्कृतिक जगत, धार्मिक जगत हमारें मंदिरों के विध्वंस और उन पर तने हुए विदेशी मुस्लिम कंगूरों को देख देखकर सदा ही पीड़ित, व्यथित होता रहा है। हम एक दीर्घ कालखंड तक इस संत्रास को भोगते हुए और उस संत्रास को अपनी अगली पीढ़ी को सौंपते हुए यहां तक आये हैं। हमारा शासक वर्ग व सत्ता सदन अवश्य जन भावनाओं को कभी कभी समझकर विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध प्रयास भी करता रहा है और कभी कभी सत्ता के मद - मोह में इस ओर से आँखें भी मोड़ता रहा है। हमें इस कालखंड में छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे अनेकों प्रणम्य शासक भी मिलें हैं। छत्रपति शिवाजी ने हमें बताया कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा दिये गये ये परतंत्रता व दासता के इन चिन्हों को मिटाना भी देश के राजा का एक अनिवार्य कार्य है। शिवाजी महाराज ने इस दिशा में अनथक श्रम करते हुए कई अभियानों को सफल भी बनाया। इस अभियान में उन्होंने गोवा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मंदिरों का जीर्णोद्धार किया, जिनमें गोवा में सप्तकोटेश्वर और आंध्र प्रदेश में श्रीशैलम भी शामिल थे। वो माता जीजा के पुत्र शिवाजी महाराज ही थे, जिन्होंने ने मुगलों से कहा, 'यदि आप हमारे मंदिरों को ध्वस्त करके हमारे स्वाभिमान का अपमान करेंगे, तो हम हठपूर्वक उनका पुनर्निर्माण करेंगे।'

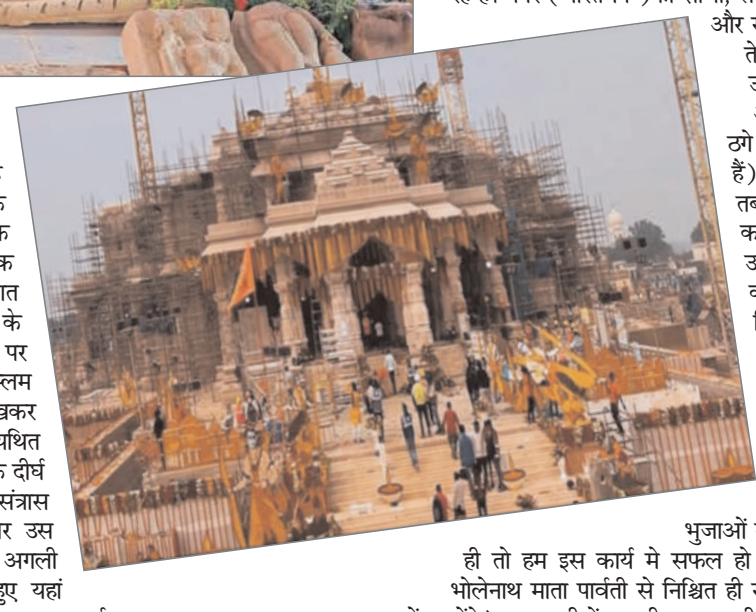

आज जब हम अयोध्या में हमारी दासता व गुलामी के प्रतीक बाबरी ढाँचे के विध्वंस से लेकर भव्य निर्माण के अनन्यतम कालखंड को जी पा रहें तो हमारा भावसंसार निश्चित ही माता उमा पार्वती व उमापति शिवशंकर के इस संवाद के आसपास ही है। करहिं आरती आरतिहर कें।

रघुकुल कमल बिपिन दिनकर कें॥
पुर सोभा संपति कल्याना।
निगम सेष सारदा बखाना।।

महादेव, महादेवी से कहते हैं - वे आर्तिहर (दुख हर्ता) हैं व सूर्यकुल रूपी कमलवन को प्रफुल्लित करने वाले सूर्य, श्री रामजी की आरती कर रहें हैं। नगर (भारतवर्ष)की शोभा, संपत्ति और कल्याण का वेद, शेषजी और सरस्वती जी वर्णन करते हैं।

तेउ यह चरित देखिठगि रहहीं।
उमा तासु गुन नर किमि कहहीं ॥

अर्थात, वे भी यह चरित्र देखकर ठगे से रह जाते हैं (स्तम्भित हो रहते हैं)। (शिवजी कहते हैं-) हे उमा! तब भला मनुष्य उनके गुणों को कैसे कह सकते हैं। आज हम भारतीय भी उमापति के इन विस्मयकारक भावों का ही द्योतक और प्रतीक हो गये हैं कि, हम सामान्य से, रजकण से, गिलहरी के जैसे छोटे छोटे भारतीय भला इतने सक्षम कैसे हो गये हैं कि, हमने श्रीराम जन्मभूमि के निर्माण में सफलता प्राप्त कर ली है। निश्चित ही इस सफलता हेतु हमारे मानस व भुजाओं में श्रीराम स्वयं आ विराजे हैं, तब ही तो हम इस कार्य मे सफल हो पाये हैं। आज वैकुण्ठ विराजित भोलेनाथ माता पार्वती से निश्चित ही सुखकारी विस्मय से यही कह रहे होंगे! हम भारतीयों का भी भगवान नीलकंठ को यह उत्तर है कि हम भी आपके वंशज ही ही तो हैं। हमने गरल को, विष को अपने कंठ में, आप ही की भांति सरंक्षित भी किया है और आज उस गरल से उपजे विषाद को शक्ति में, प्रेरणा में परिवर्तित करते हुए हम आगे बढ़ चले हैं। हे उमापति, आज हम भारतीय, नीलकंठ की ऊर्जा से सराबोर हैं। हम हमारी सांस्कृतिक परतंत्रता को आज समाप्त कर रहे हैं।

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर

आस्था की नगरी में श्री राम के चरण कमल

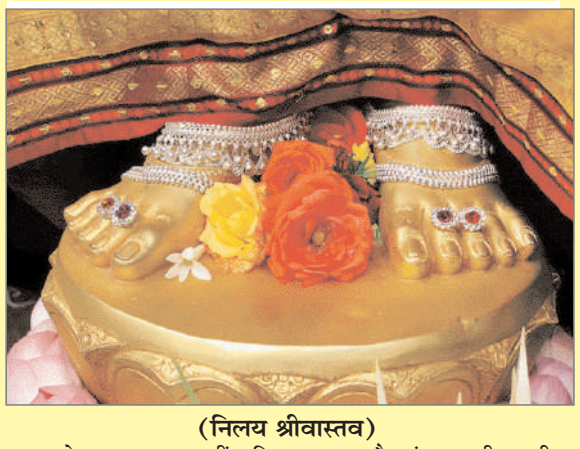

(निलय श्रीवास्तव)

अयोध्या एक नगर नहीं बल्कि आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब का जीता जागता प्रमाण है। अयोध्या प्रभु श्री राम की जन्म स्थली है। दुनियाभर में अयोध्या की पहचान स्थापित है। विश्व के अनेक देशों में प्रचलित है कि भारत के लोग अपने धर्म एवं देवी देवताओं के प्रति अपार आस्थावान हैं। यही वजह है कि भारत को भाव भूमि कहा जाता है। अपने जन्मकाल से लेकर आज तक भारत ने अनेक शासकों के राज देखे लेकिन इस भारत की मिट्टी में जो ऊर्जा है, जो संयम है, जो भाईचारा है, उसे कोई शासक नहीं मिटा पाया। अंग्रेजी राज ने फूट डालो, राज करो की नीति अपनायी और वे विफल हो गए। कदाचित अंग्रेज चले गये लेकिन उनकी बदनीयती पर चलने के लिये मुट्ठी भर लोग जब तब इकट्ठे हो जाते हैं और हर बार मुंह की खाते हैं। हिन्दुओं के लिए यह बहुत पीड़ादायक रहा कि श्री राम के जन्म स्थान पर ही भव्य निर्माण के लिये उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। कई वर्षों तक रामलला अस्थायी टेंट में रहे। अब राम लला भव्य मंदिर में विराजमान हैं। निश्चित ही यह मंदिर श्री राम के विराट व्यक्तित्व के अनुरूप है, जिससे भारतीय जनमानस पर न केवल अनूठी छाप अंकित हो रही है, बल्कि जन-जन में सौहार्द्र और सद्भावना का माध्यम भी निर्मित हो रहा है। क्योंकि श्री राम किसी धर्म का हिस्सा नहीं बल्कि मानवीयता का उदत्त चरित्र हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, कर्तव्य और मर्यादित आचरण का उत्कृष्ट स्वरूप है।

वेद पुराणों में कहा गया है कि मानव का मन पवित्र और स्वच्छ है तो वह मंदिर है और वहाँ राम बसते हैं। हृदय अयोध्या के समान है यानि राम की अयोध्या। मंदिरों की नगरी अयोध्या का पूरा माहौल पूर्णतः धार्मिक एवं सौहार्द्रपूर्ण है। वहाँ एक मस्जिद भी थी। कहा जाता है कि बाबर ने मस्जिद का निर्माण मंदिर को नष्ट कर कराया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते समय इस तर्क को सिरे से नकार दिया था। कोई प्रमाण नहीं मिला कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनी थी लेकिन किसी मंदिर नुमा अवशेष पर मस्जिद बनी थी, इसे स्वीकार किया गया था। इस तरह फैसला श्रीराम मंदिर के पक्ष में सुरक्षित रहा। अब अयोध्या में सरयु तट पर श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन आगामी 22 जनवरी को होने जा रहा है। पूरी दुनिया की नजर अयोध्या पर केन्द्रित रहेगी। अब हम अपने सपनों को साकार होते देखने जा रहे हैं। जल्द ही वह आनन्दमयी क्षण हमारे सामने आने वाला है। राम जन्मभूमि पर मर्यादा पुरुषोत्तम की आकर्षक प्रतिमा के दर्शन करने के लिये देश के कोने-कोने से सभी धर्मों के लोग लालायित हैं। उनकी उत्सुकता देखते ही बन रही है। प्रसंगवश यहाँ बता दें कि इस पुनित कार्य के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बधाई एवं सराहना के पात्र हैं क्योंकि दृढ़ इच्छाशक्ति, श्री राम के प्रति अपार आस्था तथा देश भक्ति की भावना प्रबल होने के कारण आज यह आनन्दमय क्षण हमारे सामने आयेगा। राम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, साम्प्रदायिक सौहार्द्र और अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। राष्ट्रीय जीवन के हर क्षेत्र में जो प्रकाश फैलेगा वह इतिहास के पृष्ठों को स्वर्णिम करेगा। भगवान राम केवल भारत वर्ष के ही आराध्य देव नहीं बल्कि विश्वव्यापी हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में स्पष्ट लिखा है - व्यापक व्याप्य अखंड अनंता। अखिल अमोघशक्ति भगवंता।।

वेद शास्त्रों से ज्ञात होता है कि अयोध्या को भगवान श्रीराम के पूर्वज विवस्वान (सूर्य) के पुत्र वैवस्वत मनु ने बसाया था, तभी से इस नगरी पर सूर्यवंशी राजाओं का राज महाभारत काल तक रहा। यहीं पर प्रभु श्री राम का दशरथ के महल में जन्म हुआ था। महर्षि वाल्मीकि ने भी रामायण में जन्मभूमि की शोभा एवं महत्ता की तुलना दूसरे इन्द्रलोक से की है। धन-धान्य एवं रत्नों से भरी हुई अयोध्या नगरी की अतुलनीय छटा और गगनचुंबी इमारतों के अयोध्या नगरी में होने का वर्णन भी वाल्मीकि रामायण में मिलता है। कहते हैं कि भगवान श्री राम द्वारा जल समाधि लेने के पश्चात् अयोध्या कुछ काल के लिये उजाड़ सी हो गयी थी लेकिन उनकी जन्मभूमि पर बना महत्व पहले जैसा ही था। भगवान राम के पुत्र कुश ने एक बार पुनः राजधानी अयोध्या का पुनर्निर्माण कराया। इस निर्माण के बाद सूर्यवंशी की अगली 44 पीढ़ियों तक इसका अस्तित्व आखिरी राजा, महाराजा वृहदल तक अपने चरम पर रहा। कौशल राजा वृहदल की मृत्यु महाभारत युद्ध में अभिमन्यु के हाथों हुई थी। महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या उजाड़ सी हो गयी, परंतु श्री राम जन्मभूमि का अस्तित्व फिर भी बना रहा।

अंडर19 विश्व कप - भारत, इंग्लैंड, पाकिस्तान ने जीत के साथ की शुरुआत

ब्लोमफोंटेन, एजेंसी । गत चैंपियन भारत ने 2020 अंडर19 विश्व कप विजेता बांग्लादेश को 81 रनों से हराया। इसी दिन आईसीसी अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड और पाकिस्तान स्कॉटलैंड व अफगानिस्तान के खिलाफ विजेता रहे।

बांग्लादेश ने ब्लोमफोंटेन में पहले क्षेत्ररक्षण करने और शुरुआती सहायता का भरपूर लाभ उठाने का फैसला किया। मारुफ मृधा नई गेंद से शानदार प्रदर्शन कर रहे थे और अपने बाएं हाथ के कोण से भारत के बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। उन्होंने युवा टाइगर्स को शुरुआती बढ़त दिलाने के लिए पारी की शुरुआत में ही ऑलराउंडर अर्शिन कुलकर्णी और मुशीर खान को आउट किया।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद आदर्श सिंह और कप्तान उदय सहारण ने अपना दबदबा बनाए रखा और सुनिश्चित किया कि भारत तेज गति से आगे बढ़े। बाएं-दाएं संयोजन ने पूर्णता के साथ काम किया, क्योंकि दोनों ने दूसरे पावरप्ले के दो-तिहाई हिस्से की देखरेख करते हुए तीसरे विकेट के लिए 116 रन जोड़े। रिजवान चौधरी को मिड-ऑफ पर उछालने की कोशिश में आदर्श (76) अंततः आउट हो गए।

बांग्लादेश रनों के प्रवाह को रोकने में सफल रहा और इसके परिणामस्वरूप सेट सहारन (64) के रूप में एक और सफलता मिली। अरवेल्ली अवनीश (17 में से 23) ने डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण रन जोड़ने के लिए कैमियो किया। सचिन धास (20 में से 26) की एक और तेज पारी ने भारत के कुल स्कोर में कुछ महत्वपूर्ण रन जोड़ने में मदद की। मारुफ ने दो और विकेट लेकर वापसी की और सुनिश्चित किया कि भारत 251/7 तक ही सीमित रहे।

भारत के नए गेंदबाज के सामने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज संयमित दिखे। हालांकि नमन तिवारी नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रहे थे, आशिकुर रहमान शिबली और जिशान आलम ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। आख़िरकार 8वें

ओवर में बॉयज़ इन ब्लू को झटका लगा, जब आलम ने राज लिम्बनी की गेंद को कवर के पार छेदने की कोशिश की, लेकिन मुरुगन अभिषेक ने शानदार तरीके से उसे पकड़ लिया।

इसके ठीक बाद भारत के उप-कप्तान सौम्य पांडे ने अपने यू19 विश?व कप के पहले मैच में प्रवेश किया और लगातार दो विकेट लेकर बांग्लादेश की पारी को तहस-नहस कर दिया।कुलकर्णी भी अहरार अमीन (5) को पगबाधा आउट करके विकेट लेने वालों की सूची में शामिल हो गए। अरिफुल इस्लाम और मोहम्मद शिहाब जेम्स के बीच पांचवें विकेट के लिए साहसिक साझेदारी ने बांग्लादेश को गंभीर संकट से बचाया। दोनों ने यंग टाइगर्स को उनके मुकाबले के करीब लाने के लिए धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की।हालांकि, 35वें ओवर में अरिफुल मुशीर खान का शिकार बने, जिससे भारत को फायदा मिला। इसके बाद बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई। सौम्य पांडे की बाएं हाथ की स्पिन ने चार विकेट लिए, जबकि मुशीर ने दो विकेट अपने नाम किए।पोटचेफस्ट्रूम में इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया।इंग्लैंड के कप्तान बेन मैकिनी ने टॉस के समय इसे सही बताया और मैदान पर उतरने का फैसला किया, विशेष रूप से वेस्टइंडीज ने कल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में इस मैदान पर यही फैसला लिया था।

स्कॉटलैंड के लिए जेमी डंक की ठोस शुरुआत को फरहान अहमद ने 10वें ओवर में बाधित कर दिया। फरहान ने एक ही ओवर में दो विकेट चटकाए, जिससे स्कॉटलैंड को पुनर्निर्माण की जरूरत महसूस हुई। कप्तान ओवेन गोल्ड चौथे नंबर पर आए और पारी को आगे बढ़ाया। पारी को संवारने में सकारात्मक रहते हुए गोल्ड ने छह चौके लगाए, जिसमें एक छक्का भी शामिल था, जिससे स्कॉटलैंड को 100 के पार मदद मिली।हालोकि, उप-कप्तान ल्यूक बेनकेनस्टीन के नेतृत्व में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने आक्रमण करना जारी रखा। बेनकेनस्टीन ने गोल्ड को आउट किया, जो 48 रन पर आउट हो गए।

36वें ओवर तक छह विकेट खोने के बाद स्कॉटलैंड के सामने बड़ी चुनौती थी।इंग्लैंड के अनुशासित कार्य ने यह सुनिश्चित कर दिया कि स्कॉटलैंड वहां से आगे नहीं बढ़ सका और वे 174 के मामूली स्कोर पर समाप्त हुए। फरहान और बेनकेंस्टीन ने तीन-तीन विकेट लिए।जेडिन डेनली और कप्तान मैकिनी ने इंग्लैंड को दूसरी पारी में बेहतरीन शुरुआत दिलाई। उन्होंने स्कोरिंग अवसरों का अधिकतम लाभ उठाया और पहले पावरप्ले में 68 रन जोड़े।मैकिनी ने 11-14 ओवरों के बीच जिम्मेदारी संभाली और दो छक्कों सहित पांच चौके लगाकर इंग्लैंड को बढ़त दिला दी।

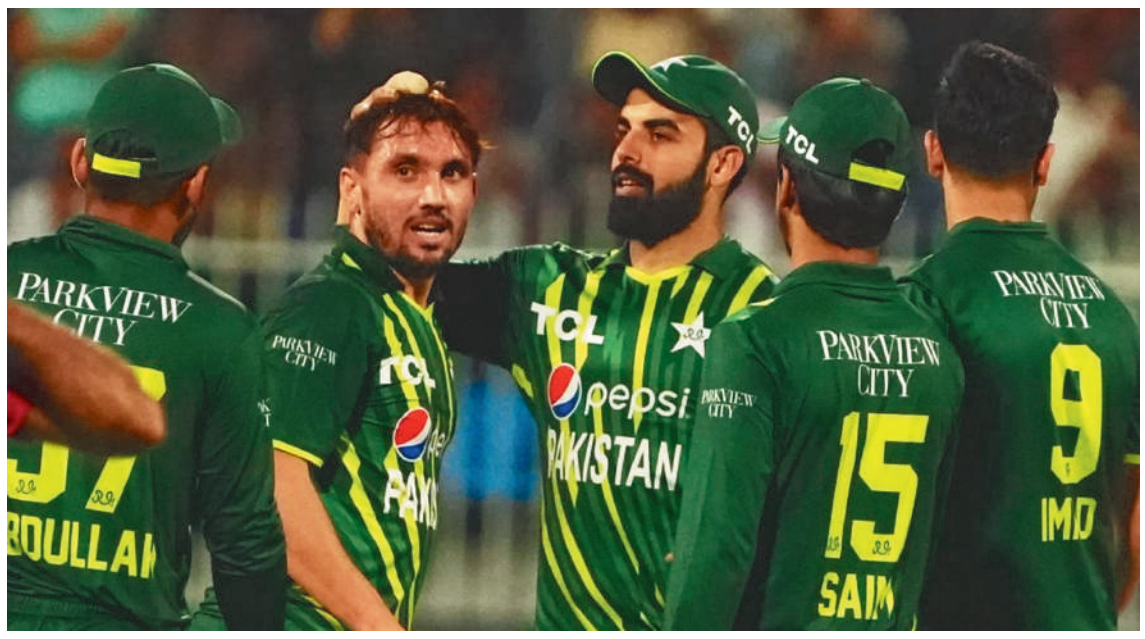

न्यूज़ीलैंड को आखिरी टी-20 में 42 रन से धोया

पाकिस्तान के सिर से टला क्लीन स्वीप का खतरा

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलने गई पाकिस्तानी टीम ने पांचवें और आखिरी मुकाबले में जीत दर्ज कर किसी तरह से अपनी लाज बचाई है। पाकिस्तान ने आखिरी टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हरा दिया और इसी के साथ क्लीन स्वीप के खतरे को टाल दिया। हालांकि पाकिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज को 1-4 से गंवा दिया। इससे पहले पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया टूर पर टेस्ट सीरीज भी 0-3 से हार गई थी।

न्यूजीलैंड 92 पर हुई ऑलआउट

रविवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए आखिरी मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को 135 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 17.2 ओवर में सिर्फ 92 रन पर ही सिमट गई। इफ्तिकार अहमद ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने इस मैच में तीन विकेट चटकाए। कप्तान शाहीन अफरीदी और मोहम्मद नवाज को 2-2 सफलता मिली जबकि जमान खान और उसामा मीर को 1-1 सफलता मिली।

हसीबुल्लाह डेब्यू में नहीं खोल पाए खाता

पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में अफरीदी ने एक बदलाव किया। शाहीन ने सईम अयूब को बाहर कर हसीबुल्लाह खान को खिलाया था। हसीबुल्लाह का यह डेब्यू था। हालांकि वह डेब्यू मैच में बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए।

बाबर ने किया निराश

रिजवान ने फिर से पारी को संभालते हुए 38 रन का योगदान दिया। बाबर आजम सिर्फ 13 रन ही बना सके। मिडिल ऑर्डर में फखर जमान ने 16 गेंद पर 1 चौके और 4 छक्के की मदद से 33 रनों की धुआंधार पारी खेली।

इसके अलावा साहिबजादा फरहान ने 14 गेंद पर 19 रन बनाए और टीम को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया।

पाकिस्तान की बेहतरीन गेंदबाजी

अभी तक इस सीरीज में पाकिस्तान के लिए गेंदबाजी यूनिट सबसे बड़ा सिरदर्द बनी हुई थी, लेकिन इस मैच में गेंदबाजों ने ही मैच को जिताया। इफ्तिकार अहमद ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। शाहीन अफरीदी ने 3.2 ओवर की गेंदबाजी में 20 रन देकर 2 विकेट लिए तो वहीं नवाज ने भी 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए।

बैजबॉल के जवाब में हमारे पास है विराटबॉल, सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड को भारत आने से पहले ही डराया

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड को भारत आने से पहले ही विराट कोहली के नाम से डरा दिया है। दरअसल, गावस्कर ने कहा है कि अगर इंग्लैंड के पास बैजबॉल है तो उसका मुकाबला करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' है। बता दें कि इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आ रही है जहां 25 जनवरी से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला मैच हैदराबाद में खेला जाएगा।

क्या कहा गावस्कर ने?

सुनील गावस्कर ने बातचीत में कहा है कि इंग्लैंड के बैजबॉल शैली का मुकाबला करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' है। गावस्कर ने इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ कोहली के आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि कोहली इस सीरीज में भारत का सबसे बड़ा हथियार होंगे। विरा कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ 28 टेस्ट मैचों में 42.36 की औसत से 1991 रन बनाए हैं।

विराट का कन्वर्जन रेट अच्छा है- गावस्कर

सुनील गावस्कर ने आगे कहा है कि पचास से अधिक सेंचुरी होना ही एक खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी बात है। गावस्कर ने कहा कि विराट कोहली का कन्वर्जन रेट अच्छा है। वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा लग रहा है। जिस फॉर्म में वह है उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि बैजबॉल का मुकाबला करने के लिए हमारे पास विराटबॉल है।

भारतीय स्पिनर्स के सामने नहीं चलेगा बैजबॉल- गावस्कर

गावस्कर ने आगे कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत दौरे पर इंग्लैंड का आक्रामक रवैया भारतीय स्पिनर्स के सामने कैसे काम करता है? भारत वर्तमान में दुनिया की नंबर दो टेस्ट टीम है और इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। गावस्कर ने कहा कि इंग्लैंड ने पिछले 1-2 साल में टेस्ट क्रिकेट के अंदर जो आक्रामक शैली का रवैया अपनाया है भारतीय स्पिनर्स के सामने काम नहीं करेगा।

पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पूरे किए 20 हजार रन, गावस्कर और सचिन के क्लब में मारी एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। मौजूद रणजी ट्रॉफी के राउंड-3 में सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 20 हजार बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने। चेतेश्वर पुजारा गजब की फॉर्म में हैं। उन्होंने एक बार इंडियन टीम के दरवाजे पर दस्तक दी है। चेतेश्वर पुजारा को 20 हजार के माइलस्टोन तक पहुंचने के लिए 96 रन की जरूरत थी। विदर्भ के खिलाफ पहली पारी में पुजारा ने 43 रन बनाए और दूसरी पारी में 66 रन बनाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। पुजारा ने राजकोट में झारखंड के खिलाफ नाबाद 243 रन की पारी खेली थी। दूसरे मैच में हरियाणा के खिलाफ 43 गेंद पर 49 रन बनाए थे। विदर्भ के खिलाफ 66 रन की पारी खेल पुजारा ने सौराष्ट्र की पारी को संभला हुआ है।

जिमनास्ट ओसियाना को खेलो इंडिया से काफी उम्मीदें, कहा- इससे ओलंपिक का सपना होगा पूरा

चेन्नई , एजेंसी। भारत ने आगामी पेरिस खेलों के लिए जिमनास्टिक में कोई ओलंपिक कोटा नहीं हासिल किया है। विश्व कप और एशियाई चैम्पियनशिप में ही दो मौके बचे हैं जिससे जिमनास्ट कोटा हासिल कर सकते हैं। जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाली तमिलनाडु की जिमनास्ट ओसियाना रीना थॉमस को यहां चल रहे खेलो इंडिया युवा खेलों में खुद के प्रदर्शन में सुधार करने और राज्य के पदकों की संख्या में इजाफा करने की उम्मीद है।

पिछले साल दिसंबर में भुवनेश्वर में 14 साल की ओसियाना ने बैलेंस बीम स्पर्धा में तमिलनाडु को पहला जूनियर राष्ट्रीय स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि अगर मैं इस मंच पर कोई नकद पुरस्कार जीतूंगी तो उसे ओलंपिक सपना पूरा करने के लिए अपनी ट्रेनिंग में लगाया जा सकता है। भारत ने आगामी पेरिस खेलों के लिए जिमनास्टिक में कोई ओलंपिक कोटा नहीं हासिल किया है। विश्व कप और एशियाई चैम्पियनशिप में ही दो मौके बचे हैं जिससे जिमनास्ट कोटा हासिल कर सकते हैं।

हरभजन ने बताया कि भारत के

लिए बैजबॉल काम नहीं करेगा।

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से पहले बैजबॉल की खूब चर्चा हो रही है। यह इंग्लैंड टीम की वह रणनीति है जिसके जरिए इंग्लिश टीम टेस्ट प्रारूप में भी तेज गति से बल्लेबाजी करती है और विरोधी टीम पर दवाब बनाने की कोशिश करती है। बैजबॉल की रणनीति इंग्लैंड की टीम पिछले कुछ साल से लगातार अपना रही है, लेकिन भारत में यह कितना सफल होगा इसे लेकर टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी राय दी। भज्जी का मानना है कि भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की यह रणनीति काम नहीं आने वाली है।

भारत के खिलाफ काम नहीं करेगा बैजबॉल

इंग्लैंड की टीम ने भारत में खेले पिछले दो टेस्ट सीरीज गंवाए हैं जिसमें साल 2016-17 में उसे 0-4 से हार मिली थी जबकि 2020-21 में इस टीम को भारत के हाथों 1-3 से पराजय मिली थी। हालांकि साल 2012-13 में इस टीम ने भारत को 2-1 से हराया था, लेकिन इसके बाद उसे कभी भारतीय धरती पर टेस्ट सीरीज में जीत नहीं मिली। हरभजन सिंह ने एचटी के हवाले से कहा कि बैजबॉल भारत के खिलाफ काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इंग्लिश टीम के लिए परिस्थितियां काफी कठिन होने वाली है। उन्हें पहली ही गेंद से टर्न मिलेगा और जब दोनों तरफ से स्पिनर आएंगे उनकी हालत खराब हो जानी है।

दोनों टीमों के लिए टॉस होगा अहम

इंग्लैंड की टीम इस वक्त आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि मेजबान भारत पहले और कंगारू टीम दूसरे नंबर पर है।

हरभजन सिंह ने कहा कि इंग्लैंड भारत पर तभी हावी हो पाएगा जब पिच में स्पिनरों के लिए कुछ नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे विकेट पर टॉस दोनों टीमों के लिए काफी अहम होगा और इंग्लैंड की टीम भारत पर तभी हावी होगी जब पिच पर स्पिनरों के लिए कुछ भी ना हो। आपको बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच हैदराबाद में 25 जनवरी से खेला जाएगा।

मलाइका अरोड़ा ने किया

बचपन को याद

मॉडल और एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा, जो वर्तमान में शो झलक दिखला जा में जज के रूप में नजर आ रही हैं, ने किराए के घर में बिताए अपने बचपन को याद किया और उन शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। महाराष्ट्र के ठाणे में पैदा हुई मलाइका अपने माताचपिता के अलग होने के बाद बहन और एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा और अपनी मां के साथ चेंबूर चली गईं। सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो के नए एपिसोड में, पहलवान संगीता फोगाट ने अपने कोरियोग्राफर भरत घरे के साथ, इमरान हाशमी स्टारर 2012 की राजनीतिक थ्रिलर शंघाई के अरिजीत सिंह, नंदिनी श्रीकर और शेखर रवजियानी द्वारा गाए सॉन्ग जो भेजी थी दुआ पर परफॉर्म किया। उनके परफॉर्मेंस ने मजदूरों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए एक शक्तिशाली मैसेज दिया, जो अथक प्रयास करके दूसरों के लिए घर बनाते हैं लेकिन खुद को अपने घर के बिना पाते हैं। संगीता के परफॉर्मेंस के बाद, मलाइका फूटचफूट कर रोने लगीं और उन्होंने कहा, मुझे याद है हम लोग किराये के मकान में रहते थे। हमारे पास अपना घर नहीं था, मेरा मतलब है, जहां तक मुझे याद है, हम किराए के घर में रहते थे। हम अक्सर मजाक में कहते हैं कि हम बचपन में माचिस की डिब्बी में रहते थे। मुझे याद है कि घर कितना छोटा था। उन्होंने कहा, अगर हम घूमते थे, तो डर लगता था कि किसी को चोट लग सकती है। यह बहुत, बहुत मुश्किल था, थोड़े से पैसे बचाने के बाद, मैं एक घर खरीदना चाहती थी। और, मैंने इसके बारे में अपनी मां को बताया था। उन्होंने आगे कहा, कॉन्सेप्ट आपका मुझे बहुत पसंद आया। मुझे यकीन है कि कई लोगों के पास इस कॉन्सेप्ट की अलगचअलग इंटरप्रिटेशन होंगी, लेकिन, जिस तरह से आपने इसे प्रस्तुत किया वह बहुत सुंदर इंटरप्रिटेशन थी। संगीता, आप एक नेचुरल एक्ट्रेस हैं।

विक्की कौशल ने की 12वी फेल की जमकर तारीफ

विक्रांत मैसी और मेधा शंकर स्टारर फिल्म '12वी फेल' रिलीज के इतने दिनों बाद भी सुर्खियों में है। आए दिन बॉलीवुड सेलेब्रिटी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच विक्की कौशल ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-नि:शब्द हूं! बहुत रोया पर दिल खुश हो गया। सबसे अच्छी फिल्म, सबसे अच्छी परफार्मेंस और साल की सबसे अच्छी कहानी। क्या सिनेमेटोग्राफी है। उन्होंने आगे विक्रांत मैसी की एक्टिंग की प्रशंसा की और लिखा- जल्द ही आपसे मिलकर गले लगना है। क्या इंस्पायरिंग परफार्मेंस दी है। एक्टर ने मेधा शंकर और पूरी टीम की भी प्रशंसा करते हुए लिखा- मेधा शंकर बहुत ही शानदार! फिल्म के सभी कलाकारों और सभी टेक्नीशियन को भी मेरा सलाम! क्या फिल्म है। ऋतिक ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा- मैंने 12वीं फेल देखी। ये फिल्म मेकिंग में मास्टरक्लास है। बाकी सब चीजों से ऊपर मैं फिल्म की साउंड इफेक्ट से बहुत इंप्रेस हुआ हूं, जिसने फिल्म के हर सीन में जान डाल दी। शानदार परफार्मेंस। मिस्टर चोपड़ा, क्या फिल्म है! प्रतिभा के लिए धन्यवाद। मैं इससे बहुत प्रेरित हुआ हूं। ऋतिक के पहले कटरीना कैफ, जान्हवी कपूर भी फिल्म की तारीफ कर चुकी हैं।

नेगेटिव भूमिका करना चाहती है कैटरीना

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ इन दिनों फिल्म मेरी क्रिसमस को लेकर चर्चा में हैं। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कैटरीना के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। कैटरीना ने फिल्मी भूमिकाओं के प्रति अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। कैटरीना अपने बहुमुखी अभिनय और फिल्मों में अलगचअलग किस्म की भूमिकाएं अदा करने के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने अब नेगेटिव रोल करने की इच्छा जाहिर की है। एक मीडिया बातचीत के दौरान कैटरीना ने किरदारों के चयन को लेकर कहा, एक कलाकार के रूप में, काफी कुछ सेल्फचएक्सप्रेशन वाला मामला है। मैं इसे आजादी नहीं कहूंगी। यह आत्मविश्वास की बात है कि आप क्या सोचते हैं कि कौनचसा किरदार आपके लिए सही है। कैटरीना ने अपनी निजी तरक्की और अनुभवों के चलते आने वाले बदलावों पर भी बात की।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एम्स ने लिया यू-टर्न, 22 जनवरी को आधे दिन ओपीडी बंद रखने का फैसला वापस

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अब सोमवार को भी खुला रहेगा। एम्स प्रशासन ने अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सोमवार 22 जनवरी को आधे दिन ओपीडी बंद रखने का फैसला वापस ले लिया है। मरीजों को किसी भी असुविधा से बचाने के

लिए अब ओपीडी पूरे दिन चलेगी। एम्स के प्रशासनिक अधिकारी राजेश कुमार द्वारा इस संबंध में रविवार को जारी किए गए नए ऑफिस मेमो यह जानकारी दी गई है।

जानकारी के अनुसार, इससे पहले शनिवार को बताया गया था कि दिल्ली में एम्स और सफदरजंग अस्पताल सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी चार अस्पताल अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे तक बंद रहेंगे। हालांकि, इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी।

न्यूज एजेंसी भाषा की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी दिल्ली स्थित एम्स के एक आधिकारिक नोटिस के मुताबिक केंद्र सरकार ने 22 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे तक आधे दिन की छुट्टी घोषित की थी। इसमें कहा गया था, सभी कर्मचारियों की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि संस्थान 22 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे तक आधे दिन बंद रहेगा। सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों से अनुरोध है कि इसे उनके तहत काम करने वाले सभी कर्मचारियों के ध्यानार्थ लाया जाए। इसमें कहा गया, ...सभी महत्वपूर्ण चिकित्सीय सेवाएं चालू रहेंगी।

राम रंग में रंगी आप, सुंदरकांड पाठ के बाद अब 22 को पूरी दिल्ली में शोभायात्रा और भंडारे करने का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सोमवार 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर पूरी दिल्ली में शोभायात्राएं निकालेगी। इसके साथ ही आप की तरफ से पूरी दिल्ली में भंडारे के आयोजन भी किए जाएंगे। आप के बड़े नेता इस शोभायात्राओं में शामिल होंगे।

इससे पहले आप ने दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बीते मंगलवार 16 जनवरी को भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया था। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पार्टी नेताओं के साथ रोहिणी के मंदिर में मंगलवार को आयोजित किए गए सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम में हिस्सा लेकर भगवान राम से देश की प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा था। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा था कि देश और दिल्लीवासियों के जीवन में सुख और समृद्धि लाने के उद्देश्य से पार्टी की तरफ से दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं में आयोजित किए गए सुंदरकांड पाठ में आप के विधायकों, पार्षदों और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ हिस्सा लिया।

कुत्तों की दहशत, बच्ची का चेहरा नोंचा, हालत नाजुक, स्कूल नहीं जा रहे मासूम

नईदिल्ली, एजेंसी। आवारा कुत्ते ने शुक्रवार शाम सेक्टर-23ए में एक आठ वर्ष की बच्ची पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। सेक्टर के लोगों ने बच्ची को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालात गंभीर बताई जा रही है। घटना से आक्रोशित सेक्टर के लोगों ने एक बार फिर प्रशासन से आवारा कुत्तों पर लगाम लगाने की मांग की है। सेक्टर-23ए में 40 से 50 आवारा कुत्तों का आतंक है। कुत्तों के डर से सेक्टर के बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर कम ही निकलते हैं।

स्कूल नहीं जा पा रहे बच्चे- आरडब्ल्यूए की तरफ से सैकड़ों बार इसकी शिकायत निगम और जिला प्रशासन को की जा चुकी है, लेकिन समस्या पर कोई संज्ञान लेने वाला नहीं है। सेक्टर-23ए ईस्ट जोन की आरडब्ल्यूए प्रधान नीरू यादव ने बताया कि सेक्टर में सप्ताह में कम से कम तीन दिन आवारा कुत्तों द्वारा किसी न किसी पर हमला करने की घटना सामने आती है।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे की मार, एक दर्जन ट्रेन और कई फ्लाइट लेट

नईदिल्ली, एजेंसी। आधी सर्दी बीत गई है लेकिन दिल्ली एनसीआर में सर्दी का सितम अभी भी जारी है। तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है और घने कोहरे की मार से भी लोगों का बुरा हाल है। ऐसे में लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली में फ्लाइट और ट्रेनों के लेट होने का सिलसिला लगातार जारी है।

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह भी कई फ्लाइट और ट्रेन लेट हैं । दिल्ली आने वाली करीब एक दर्जन ट्रेन लेट चल रही हैं। उत्तर रेलवे के अनुसार, घने कोहरे के कारण अमृतसर-नांदेड़ एक्सप्रेस, पुरी-नई दिल्ली पुरूषोत्तम एक्सप्रेस, अंबेडकरनगर-कटरा और मानिकपुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस जैसी लगभग 11 ट्रेनें देरी से चलीं। इसी तरह दिल्ली हवाईअड्डे पर भी लोग कई घंटों की देरी से चल रही अपनी उड़ानों का इंतजार करते दिखे. कुछ उड़ानें भी रद्द घोषित कर दी गई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई।

बहरीन से आई एक यात्री नेहा बेनीवाल ने कहा, कोहरे के कारण मेरी फ्लाइट में देरी हुई। इसे सुबह 4:45 बजे यहां उतरना था, लेकिन यह लगभग 5:35 बजे लैंड हुई। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से एडवाइजरी भी जारी की गई है, जिसमें कहा गया कि यात्रियों से अनुरोध है कि वे फ्लाइट का स्टेटस जानने के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करें।

आने वाले दिनों में क्या रहेगा हाल?- रविवार को न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया है। आईएमडी ने कहा है कि आने वाले कुछ दिनों ऐसी ठंड जारी रह सकती है। आईएमडी ने 22 जनवरी को बहुत घने कोहरे की स्थिति की भविष्यवाणी की है। 27 जनवरी तक बाकी दिनों में कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। इस बीच शनिवार को उत्तर भारत के कई हिस्सों में कम दृश्यता दर्ज की गई, जिससे ट्रेन और हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा हुई.

झूठ बोलकर की दूसरी शादी, मारपीट कर नई नवेली पत्नी से अननैचुरल सेक्स

महिला ने पुलिस को बताई पति की करतूत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक युवक के पहले से शादीशुदा होने बावजूद झूठ बोलकर दूसरी शादी करने और नई नवेली पत्नी से शादी के बाद अप्राकृतिक संबंध बनाने और मारपीट करने मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने पति के खिलाफ थाने में शिकायत देकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ पहले से शादीशुदा होने बावजूद दूसरी शादी करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला का कहना है कि शादी के बाद पति ने अप्राकृतिक संबंध बनाने का विरोध पर उसके साथ मारपीट भी की। परिजनों ने जब उसे ऐसा नहीं करने के लिए समझाया तो आरोपी बिना बताए घर से लापता हो गया। महिला जब पति को खोजते हुए उसके पैतृक गांव पहुंची तो आरोपी के पहले से शादीशुदा होने का राज खुल गया।

सुहागरात पर दुल्हन से अननैचुरल सेक्स, वियाग्रा खाकर वहशी बना पति - दरअसल, राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाली पीड़ित महिला का कहना है कि उसकी मुलाकात साउथ वेस्ट दिल्ली के ब्रजवासन निवासी अतुल कुमार से हुई थी, जो कि मूलरूप से बलिया का रहने वाला है। इस मुलाकात के बाद उन दोनों में बातचीत शुरू हो गई। धीरे-धीरे यह बातचीत प्यार में बदल गई। आरोप है कि, इसी दौरान अतुल ने शादी का झांसा देकर दो साल तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बीते साल दिसंबर 2023 को उनकी शादी भी हो गई। अतुल ने खुद को परिवार में अकेला बताया था।

दीवार काटकर दिल्ली में हुई एक करोड़ से ज्यादा की चोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में बदमाश ने दीवार काटकर ज्वेलरी शोरूम से एक करोड़ से ज्यादा की चोरी कर ली। शुक्रवार देर रात हुई वारदात की जानकारी शनिवार दोपहर को मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 54 वर्षीय शादाब गुल शाहीन बाग इलाके में रहते हैं। उन्होंने बताया कि स्टैंडर्ड ज्वेलर्स के नाम से उनका शाहीन बाग में शोरूम है। शुक्रवार रात वह शोरूम बंद कर घर चले गए थे। शनिवार दोपहर 11:30 बजे पड़ोसी दुकानदार ने उन्हें चोरी के बारे में बताया। वह शोरूम पर पहुंचे। जांच में पता लगा कि डेढ़ किलो से ज्यादा सोना और तीन लाख रुपए चोरी हुए हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पीड़ित ने बताया कि उनके शोरूम के साथ में एक दुकान बनी है।

सूरज मान हत्याकांड: दिल्ली के गैंगस्टर ने कराया एयरलाइंस कर्मचारी का मर्डर, मास्टरमाइंड समेत 2 गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-39 पुलिस ने हाजीपुर बाजार में हुई एयरलाइंस कर्मचारी की हत्या के मामले में शनिवार को मुख्य साजिशकर्ता और उसके साथी को दिल्ली

से गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी ने अपने भाई और दिल्ली के गैंगस्टर की शह पर यह वारदात कराई थी। पुलिस की चार टीमें इस मामले में फरार तीनों शूटरों की तलाश में दबिश दे रही हैं।

डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि 32 वर्षीय सूरज भान की शुक्रवार को कार में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सूरज के चचेरे भाई ने धीरज मान, शक्तिमान और संजीत समेत कुछ अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में दिल्ली के नरेला निवासी 28 वर्षीय धीरज मान और अरुण उर्फ मन्नू को गिरफ्तार किया है। धीरज कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान का भाई है। आरोपियों के पास से लाइसेंसी पिस्तौल, तमंचा, महिंद्रा थार कार और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ है।

जान बचाने को नोएडा आया था सूरज मान का परिवार, एयर इंडिया क्रू मेंबर के मर्डर के पीछे ये वजह- पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि सूरज मान मूलरूप से दिल्ली के नरेला क्षेत्र स्थित खेड़ा खुर्द गांव का रहने वाला था।

कोल्ड वॉर के बाद नाटो करेगा सबसे बड़ा युद्धाभ्यास, 90,000 सैनिक होंगे शामिल; रूस ने जताया विरोध

मॉस्को , एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को दो साल से अधिक वक्त हो गया है। इस जंग के बीच नाटो द्वारा सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू होने वाला है। कोल्ड वॉर के बाद ये सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा, जिसमें करीब 90,000 सैनिक शामिल होंगे।

नाटो के युद्धाभ्यास को लेकर रूस ने जताया विरोध- इस युद्धाभ्यास को लेकर रूस के उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि नाटो गठबंधन का युद्धाभ्यास कोल्ड वॉर योजनाओं की वापसी का प्रतीक है। ग्रुश्को ने कहा कि ये युद्धाभ्यास पश्चिमी देशों द्वारा रूस के खिलाफ छेड़ा गया हाइब्रिड युद्ध का एक और प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ये युद्धाभ्यास शीत युद्ध की योजनाओं का वापसी का प्रतीक है। इस युद्धाभ्यास को रूस के साथ टकराव के लिए तैयार किया जा रहा है। हालांकि, रूस ने अपने इस युद्धाभ्याल को लेकर रूस का कोई जिक्र नहीं किया है।

90,000 सैनिक होंगे अभ्यास में शामिल- नाटो ने गुरुवार को कहा कि वह शीत युद्ध के बाद से अपना सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू कर रहा है। इसमें लगभग 90,000 सैनिक शामिल होंगे। इस अभ्यास में 31 देशों की सेनाएं शामिल होंगी।

चेकपॉइंट पर कार नहीं रोकने पर 27 साल के युवक को पुलिस ने मारी गोली, भड़का स्थानीय लोगों का गुस्सा

लेर्डो डी तेजादा (मेक्सिको) , एजेंसी। एक चेकपॉइंट पर कार न रोकने पर लोकल पुलिस ने एक युवा के गर्दन पर गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। इस बीच मैक्सिकन शहर के निवासियों ने पुलिस के खिलाफ शुक्रवार को हिंसक विरोध प्रदर्शन किया और रातोंरात म्युनिसिपल पैलेस में आग लगा दी।

राष्ट्रीय मीडिया ने बताया कि पुलिस ने एक 27 साल के युवा ब्रैंडन अरेलानो की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अपनी दादी के घर के बाहर पहुंचा था। ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में उसके पिता को घटनास्थल पर उसे बचाने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे है। बता दें कि ब्रैंडन लोकल स्कूल टीचर का बेटा था।

पिता ने बताया खौफनाक मंजर- ब्रैंडन के पिता लफिनो अरेलानो ने वीडियो पर ने घटनास्थल की जानकारी देते हुए बताया जैसे ही मेरे बेटे ने कार पार्क की उसके तुरंत बाद पुलिस ने कार पर अंधाधुंध गोलियां चलाना शुरू कर दिया। पुलिस ने उस पर कायरों की तरह गोलियां चलाई और उसे मार डाला। मेरा बेटा तुरंत मर गया। हालांकि, अधिकारियों ने

यह खुलासा नहीं किया कि ब्रैंडन को चेकपॉइंट पर क्यों रोका जा रहा था।

पुलिस की गाड़ी में लगाई आग, स्थानीय लोगों का भड़का गुस्सा- स्थानीय लोग ब्रैंडन की मौत के बाद से हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे है। वेराक्रूज के एक शहर लेर्डो डी तेजादा के निवासियों ने एक पुलिस की कार को पलट दिया और उसमें आग लगा दी। वहीं, घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी झड़पें भी हुई। लोगों ने गुस्से में स्थानीय सरकारी इमारतों की खिड़कियां भी तोड़ दीं और आग के हवाले कर दिया।

हत्या के तुरंत बाद राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि चार नगरपालिका पुलिस अधिकारियों को संदिग्ध हत्या के लिए हिरासत में लिया गया है और वे राज्य अभियोजकों को अपने बयान देंगे।

चीन की दोस्ती के जाल में फंस रहा मालदीव, कहीं श्रीलंका जैसा न हो जाए हाल !

माले, एजेंसी। भारत-मालदीव द्विपक्षीय संबंधों में हालिया घटनाओं ने एक ऐसा मोड़ ले लिया है जो संभावित रूप से दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी साझेदारी के कुछ दीर्घकालिक उद्देश्यों को बाधित कर सकता है। हालाँकि, भारत-मालदीव संबंधों में खासकर भारतीय राजनीतिक हलकों में इन ज्वारों को ऐसे नहीं देखा जाना चाहिए जो अल्पकालिक लाभ के लिए बाधित रहें। द्विपक्षीय संबंधों में वृद्धि मालदीव के वर्तमान राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चुनाव के साथ शुरू हुई, जिन्होंने अपने इंडिया आउट अभियान के आधार पर चुनाव जीता। मुइज्जू के शासन के तहत, द्विपक्षीय संबंधों के मामले में भारत के साथ सहयोग में काफी कमी आई है। फिर भी, मालदीव की आबादी और नीति निर्माताओं के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बीजिंग की ओर झुकाव होना चाहिए, जिसे माले की वर्तमान सरकार ने प्रदर्शित किया है।

मालदीव के राष्ट्रपति की इस महीने की हालिया बीजिंग यात्रा में, द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक सहकारी

साझेदारी तक बढ़ाने की घोषणा सहित लगभग 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। ऐसे समझौतों में ऊर्जा और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं के तहत परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सौदों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जो मालदीव को नई दिल्ली से बीजिंग की ओर फिर से उन्मुख करने का प्रदर्शन करते हैं। हालाँकि, चीन से अधिक पर्यटक भागीदारी की मांग करके, माले ने केवल चीनी हाथों में खेल रहा है, बल्कि उसी ऋण-जाल में गिर रहा है जिसका दक्षिण एशिया के अन्य देशों ने सामना किया है। मालदीव के मामले में, ऐसा लगता है कि वह फिलहाल कई अन्य मामलों पर भी बीजिंग के निर्देश पर चल रहा है।

ताइवान चुनाव की घोषणा के दौरान पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार के नेतृत्व में केवल एक चीन को मान्यता देने वाली वन चाइना नीति का सरकार का समर्थन यह दर्शाता है कि बीजिंग अब मालदीव की विदेश नीति को भी कितनी गहराई से प्रभावित करता है। दक्षिण एशिया के बड़े दायरे में, बीजिंग अपने विकास वित्त के साथ-साथ अन्य तकनीकों के माध्यम से अधिक से अधिक पैठ बनाने का प्रयास कर रहा है, जिसने क्षेत्र में सरकारों की स्वतंत्रता को बाधित किया है। एक के लिए, बीजिंग अपने प्रभाव क्षेत्र के तहत अन्य साझेदारों को लाने के लिए विकास वित्त का लाभ उठा रहा है। शुरुआत करने के लिए, बेल्ट एंड रोड पहल, द्विपक्षीय विकास परियोजनाएं और साथ ही कुछ सफेद हाथी परियोजनाएं (ऐसी पहल जो अनुमानित रिटर्न नहीं लाती हैं) कुछ ऐसे रास्ते हैं जिनके माध्यम से चीन ने दक्षिण एशिया की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।